RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 111 ● भिलाई, सोमवार 03 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### कोटा में स्कूल वैन और एसयूवी की टक्कर में दो बच्चों की मौत

**कोटा।** राजस्थान के कोटा जिले में सुबह स्कूल वैन और एसयूवी की आमने-सामने की टक्कर में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इटावा थाना क्षेत्र में 132 केवी ग्रिड स्टेशन के पास यह दुर्घटना तब हुई, जब स्कूल वैन का एक टायर अचानक फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। वैन विपरीत लेन में जा घुसी और सामने से आ रही एक एसयूवी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन पलट गए और एसयूवी सड़क से लगभग 20 फीट दूर जा गिरी। वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और स्कूल बैग व किताबें सड़क किनारे बिखर गईं। तेज टक्कर और बच्चों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। कई ग्रामीणों ने वैन के शीशे तोड़कर उसमें फंसे बच्चों और यात्रियों को बाहर निकाला। कुछ ही देर बाद पुलिस और आपातकालीन टीमें पहुंचीं और ग्रामीणों की मदद से सभी घायल बच्चों और वयस्कों को इटावा उप-जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

### कांग्रेस झूठ बोलने वाली पार्टी, राहुल गांधी भी बोलते हैं भरपूर झूठ

**हमीरपुर।** हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने वाली पार्टी है। राहुल गांधी भी भरपूर झूठ बोलते हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, देश के जिस भी राज्य में चुनाव हुआ, कांग्रेस के नेताओं ने हर जगह झूठ बोला है। हिमाचल में भी कांग्रेस के नेताओं ने झूठ बोला, क्योंकि उनके बड़े नेता राहुल गांधी भी भरपूर झूठ बोलते हैं। झूठ बोलकर वोट बंटोरते हैं और सरकार बनाने के बाद वादे भूल जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की 10 गारंटियां फेल हो चुकी हैं। तीन लाख महिलाओं की बात थी, लेकिन तीस हजार महिलाओं को भी 1500 रुपए नहीं मिले।

पीएम मोदी का आरा में बड़ा आरोप

## आरजेडी ने कांग्रेस से कनपट्टी पर कट्टा रख सीएम पद छीना

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार में महागठबंधन में भारी अंदरूनी कलह है। उन्होंने दावा किया कि राजद ने कांग्रेस को बंदूक की नोक पर अपने नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। आरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस राजद नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनाना चाहती थी, लेकिन राजद ने कांग्रेस के कनपट्टी पर कट्टा रख कर सीएम पद चोरी कर लिया। मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस में ज़बरदस्त टकराव है। घोषणापत्र में कांग्रेस की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया... चुनाव से पहले इनके बीच इतनी नफ़रत है, और चुनाव के बाद तो ये एक-दूसरे के ख़िलाफ़ ही हो जाएँगे। इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर राजद बिहार में 'जंगलराज' और तुष्टिकरण की राजनीति लेकर आया, तो कांग्रेस की पहचान सिखों के नरसंहार से जुड़ी है। यह 1 और 2 नवंबर 1984 की बात है। आज भी 2 नवंबर है। कांग्रेस पार्टी के लोगों ने 1 और 2 नवंबर 1984 को दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में सिख नरसंहार को अंजाम दिया था। आज भी कांग्रेस अपनी पार्टी में सिख नरसंहार के दोषियों को पूरे सम्मान के साथ नए पद दे रही है। उन्हें बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस हो या राजद, उन्हें अपने पापों का कोई पछतावा नहीं है। आरा में मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि बिहार के युवा बिहार में काम करें

और राज्य को गौरवान्वित करें। बिहार जल्द ही पूर्वी भारत में कपड़ा और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जो दिल्ली में बैठकर अटकलें लगा रहे हैं, उन्हें बिहार आकर लहर देखनी चाहिए। कोई भी सरकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 नहीं हटा सकी थी, लेकिन मैंने गारंटी दी और यह कर दिखाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में धमाके हो रहे थे, लेकिन कांग्रेस के शाही परिवार की नीदें यहां उड़ी हुई थीं। बिहार में महागठबंधन में भारी अंतर्कलह है, बंदूक दिखाकर राजद के नेता को मुख्यमंत्री उम्मीदवार चुना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राजद-कांग्रेस के नेता हमारी आस्था का अनादर करने में माहिर हैं। राजद के नेताओं ने प्रयाग कुंभ मेले को 'फ्लतू' कहा। कांग्रेस के एक 'नामदार' ने कहा कि 'छठ महापर्व' एक नाटक है। बिहार हमारी आस्था का अनादर करने वालों को कभी माफ नहीं करेगा... हमारी आस्था का अनादर करने वालों को बहुत कठोर सजा दी जानी चाहिए ताकि कोई फिर से 'छठ महापर्व' का अपमान करने की हिम्मत न कर सके...। पीएम मोदी ने आगे कहा- राजद और कांग्रेस में झगड़ा भयंकर बढ़ गया। न घोषणा पत्र में कांग्रेस की सुनी गई और प्रचार तक में पूछा गया।

### पीएम बोले-राजद-कांग्रेस वालों से सावधान रहना

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वालों के इरादे बेहद ही खतरनाक हैं। इसलिए आपको इनसे सावधान रहना है। यह लोग सिफ जंगलराज की पाठशाला में पढ़कर निकले हैं। इनके कारण उद्योग बंद हो गए। फैक्ट्रियों में ताले गए गए। इनका रिकॉर्ड ही निवेशकों को भगाने का है। जब निवेशकों को लालटेन और लाल झंडा दिखेगा तो क्या वह अपना पैसा लगाएगा क्या? निवेशक सिर्फएनडीए सरकार ही ला सकती है। एनडीए सरकार विकास और विरासत दोनों को महत्व देते हुए आगे बढ़ रही है। हमारी सरकार बाबू वीर कुंवर सिंह की जन्मस्थली का कायाकल्प करने जा रही है। जिन लोगों ने अपना जीवन राष्ट्रसेवा में लगा दिया, उसे कांग्रेस और राजद वालों ने कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया।

मुफ्त बस यात्रा का तोहफा

## महिलाओं-ट्रांसजेंडर के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड लॉन्च किए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली सरकार ने रविवार को 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' की शुरुआत की। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य दिल्ली परिवहन निगम और क्लस्टर बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करना है। इस नई योजना के तहत, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ अब राजधानी भर में मुफ्त यात्रा का आनंद ले सकेंगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर यह घोषणा की। सीएम गुप्ता ने एक्स पर कहा कि दिल्ली सरकार ने

महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' लॉन्च किया है। अब, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि यह पहल दिल्ली में महिलाओं के लिए यात्रा को आसान बनाने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और नारी शक्ति को अधिक सुविधाएँ और सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में शहर के गैर-अनुरूप क्षेत्रों में संचालित निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने का एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह एक लंबे समय से लंबित सुधार है जो शहर भर के हजारों बच्चों के लिए शिक्षा के संवैधानिक अधिकार को बहाल करता है।

### सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हुआ सहकारिता का नेटवर्क

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। राज्य में सहकारिता का नेटवर्क जमीनी स्तर तक मजबूत कर आमजन को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में आयोजित किया गया 'सहकार सदस्यता अभियान' राज्य में सहकार आंदोलन को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अहम कड़ी साबित हुआ है। 'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि पूर्व में 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी। जिसे आशाजनक परिणामों के फलस्वरूप बाद में 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया।

## सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय तिवारी

**भिलाई :-** एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग छग के चेयरमेन व समाज सेवी संजय तिवारी को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें सनातन धर्म परिषद् न्यास की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सनातन धर्म परिषद् न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने उन्हें यह महत्तवपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की है।

यह बता दें कि संजय तिवारी द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया जाता रहा है। मानव सेवा के साथ वे गौ सेवा व गौवंश रक्षा के कार्य से भी लंबे समय से जुड़े हैं एवं स्वर्गीय सुधाकर तिवारी मेमोरियल गौशाला का संचालन करते हुए गौ

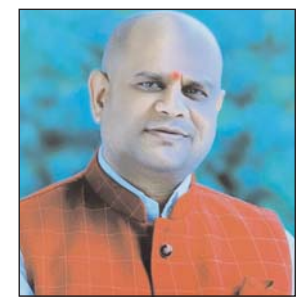

माता की सेवा व गौवंश की रक्षा करते है एवं सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित कर रहे है । उनकी इन्ही प्रयासों व नेक कार्यों को देखते हुए सनातन धर्म परिषद् न्यास ने उन्हें सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। सनातन धर्म परिषद् न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने संजय तिवारी को इस जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं व बधाई दी। उनकी नियुक्ति पर दुर्ग भिलाई के गौ सेवको व सनातनियों में हर्ष व खुशी का माहौल है।

बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल गांधी

## मोदी युवाओं को रील्स दिखाते हैं,हम...वीडियो

**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में एक तालाब में छलांग लगाई और मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रक्रिया में भाग लिया। वीआईपी प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और अन्य भी मौजूद रहे। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को बेगूसराय में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की जनता से एक वादा किया। उन्होंने कहा कि जब महागठबंधन सत्ता में आएगा, तो वह शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के लिए विश्वस्तरीय अवसर पैदा

करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको व्यक्तिगत गारंटी देता हूँ कि जिस दिन केंद्र में महागठबंधन की सरकार आएगी, हम बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय जैसा एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय खोलेंगे।

### बठिंडा में खालिस्तान समर्थक नारे लिखने वाले तीन एसएफजे सदस्य गिरफ्तार

**बठिंडा।** पंजाब की काउंटर इंटेलिजेंस बठिंडा ने पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) से जुड़े तीन समर्थकों को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि आरोपियों ने भिसियाना और मानांवाला गांवों के स्कूलों की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों को एसएफजे के अमेरिका स्थित मास्टरमाइंड गुरपतवंत सिंह पन्नू का समर्थन प्राप्त था। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने अशांति फैलाने और राष्ट्र-विरोधी भावनाओं को भड़काने के उद्देश्य से ये नारे लिखे थे।

दुर्ग में 13वां कत्ल

## भाई ने उजाड़ा बहन का सुहाग...सिलबट्टे से जीजा को मार डाला,अमरूद तोड़ने पर बिगड़ी थी बात

**दुर्ग।** जिले में लगातार चाकूबाजी और हत्या के मामले थामने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग में फिर एक बार हत्या की वारदात सामने आई है। जहां मामूली बात पर जीजा-साले के बीच शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि साले ने अपने ही जीजा की सिलबट्टे से सिर पर हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी साले को गिरफ्तार कर लिया है और जांच में जुट गई है। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के बोरसी में एक साले ने अपने जीजा को मौत की घाट उतार दिया। जीजा और साले में अमरूद तोड़ने पर विवाद हुआ था। जिसमें साले ने जीजा पर सिलबट्टे से सिर पर वार कर घायल कर दिया। घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजकुमार वर्मा के रूप में हुई है। जो एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। मृतक राजकुमार अपने साले गोविंदराज के पंचशील सेक्टर स्थित घर अमरूद तोड़ने के लिए पहुंचे थे। घर पहुंचने पर पत्नी ने उन्हें कहा कि वह खुद अमरूद तोड़कर ले आएगी।लेकिन मृतक नहीं मना और खुद अंदर चले गया। इसी बात को लेकर गोविंदराज नाराज हो गया। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई और देखते-देखते मामला हाथापाई में बदल गया। झगड़े के दौरान

मृतक के हाथ में मौजूद डंडा गोविंदराज ने छीनकर फेंक दिया और फिर घर के अंदर रखे सिलबट्टे से मृतक जीजा राजकुमार के सिर पर जोरदार वार कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी गोविंदराज भागने के बजाय खुद पद्मनाभपुर थाना जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। उसने पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दुर्ग शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर ने बताया कि अमरूद तोड़ने की बात को लेकर हुए विवाद में हत्या की घटना सामने आई है। आरोपी गोविंदराज को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस विवेचना में जुट गई है। आपको बता दे की पिछले 13 दिनों में दुर्ग जिले में यह 13वीं हत्या की वारदात है।

सीएमएस-03 रॉकेट से सफलता पूर्वक अलग हुआ

## इसरो ने लॉन्च किया जीसैट-7 आर सैटेलाइट,अब सबसे उन्नत संचार उपग्रह से लैस होगी भारतीय नौसेना

नई दिल्ली/ एजेंसी

इसरो ने श्रीहरिकोटा से आज अपने शक्तिशाली रॉकेट एलवीएम3-एम5 के जरिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया है। बता दें कि लगभग 4000 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह अब तक का भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह है। इसके जरिए नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी। इस उपग्रह में कई देश में विकसित अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं, जो भारतीय नौसेना की संचालन क्षमता को और मजबूत बनाएंगे। इसरो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एलवीएम3-एम5/सीएमएस-03 मिशन का अपडेट दिया है। इसरो के अनुसार, सीएमएस-03 रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग हुआ है, इसरो ने इसे परफेक्ट इंजेक्शन बताया है। इसरो के एलवीएम-एम5 द्वारा सीएमएस-03 संचार उपग्रह के प्रक्षेपण पर, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा, 'सीएम-03 उपग्रह एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है, जिसकी कवरेज भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में है,

और इसे कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस उपग्रह में कई नई तकनीकों का समावेश है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक और ज्वलंत उदाहरण है। मैं देश की संचार क्षमता के लिए इस महत्वपूर्ण, जटिल उपग्रह को साकार करने के लिए कई इसरो केंद्रों में कार्यरत पूरी उपग्रह टीम को बधाई देता हूं। प्रक्षेपण अभियान के दौरान हमें कठिन और चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा। मौसम उतना अनुकूल नहीं था। लेकिन फिर भी, मैं इस अवसर पर आप सभी की सराहना करता हूं कि इस कठिन मौसम की स्थिति में भी, हम सफलतापूर्वक इस मिशन को भव्य और सफल तरीके से पूरा कर पाए।' इसरो प्रमुख ने आगे कहा कि इस मौके पर मैं एक महत्वपूर्ण प्रयोग की भी घोषणा करना चाहूंगा जो हमने किया है। स्वदेशी रूप से विकसित सी-25 क्रायोजेनिक चरण। पहली बार, हमने उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित करने और चरण को पुन: उन्मुख करने के बाद, सफलतापूर्वक प्रज्वलित किया है।

लालू-राबड़ी का काला युग खत्म

## बिहार को चाहिए नीतीश का विकास मॉडल-नड्डा

**नई दिल्ली।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के कार्यकाल को बिहार के लिए काला युग बताया। नड्डा ने सीवान में एक जनसभा को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि उनके शासन के दौरान राज्य को हर मोर्चे पर असफलताओं का सामना करना पड़ा और मतदाताओं से निरंतर प्रगति और स्थिरता के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने का आग्रह किया। जेपी नड्डा ने कहा कि 1990 से 2005 तक लालू प्रसाद यादव और

राबड़ी देवी का शासन बिहार के लिए एक काला युग था; उस दौरान बिहार को हर तरह का नुकसान हुआ। इसने हर तरह का अपमान सहा... लेकिन नीतीश कुमार के 20 साल और प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के नेतृत्व में, बिहार ने अपनी विकास की गाड़ी को पटरी पर आते देखा है।

# रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव के आयोजन का कलेक्टर ने गांधी मैदान का किया निरीक्षण

## विभागीय स्टॉल, मंच, पार्किंग व स्वच्छता व्यवस्था बनाये रखने के दिए निर्देश

**गरियाबंद।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर राज्योत्सव के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर बी.एस. उइके एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चन्द्राकर ने आज स्थानीय गांधी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर उइके ने आयोजन स्थल पर मंच निर्माण, विद्युत एवं साउंड सिस्टम, लाइटिंग, बैरिकेडिंग, दर्शक दीर्घा, वीआईपी, मीडिया बैठक व्यवस्था, कलाकारों के ठहरने, भोजन एवं अन्य समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव प्रदेश की गौरवमयी यात्रा का प्रतीक है। कलेक्टर उइके ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्योत्सव आयोजन के दौरान आने वाले आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश और शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के आसपास सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखने एवं आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की जानकारी भी ली। अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कलेक्टर ने गरिमापूर्ण आयोजन और समय पर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। सभी स्टॉलों में एक समान डिज़ाइन व आकार के फ्लेक्स लगाने को कहा ताकि सभी विभागों में एकरूपता दिखे। साथ ही मौके पर विभागों को प्रदर्शनी के लिए स्टॉल आवंटित किए गए। कलेक्टर ने 1 से 5 नवंबर तक सभी शासकीय कार्यालयों और भवनों को रोशनी से सजाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छता एवं सुरक्षा प्रबंध की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों की तैयारी की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपने स्टॉल में जिले की उपलब्धियों, योजनाओं और नवाचारों को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित करें, ताकि नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी सहजता से प्राप्त हो सके। उन्होंने मंच की साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी ली। कलेक्टर उइके ने कहा कि राज्योत्सव प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और उपलब्धियों का उत्सव है। इसलिए इसे गरिमामय और सुव्यवस्थित रूप से मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से समय पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने और नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि राज्योत्सव का आयोजन जिले में उत्साहपूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

## कलेक्टर के मार्गदर्शन में मास्टर ट्रेनर्स को दी गई प्रशिक्षण

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भगवान सिंह उइके के निर्देश पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंकज डाहिरे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स छन्नू लाल तारक, गौतम कुर्रे एवं हुलास साहू द्वारा तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 से संबंधित सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। साथ ही तकनीकी प्रशिक्षण प्रोग्रामर गिरीश चन्द्राकर द्वारा भी दिया गया। इसके पश्चात तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान गणना पत्रक भरने की प्रक्रिया, नाम जोड़ने, सुधार एवं विलोपन से संबंधित प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान बूथ स्तर अधिकारी घर-घर जाकर गणना प्रपत्र पात्र मतदाताओं तक पहुंचाएंगे और आवश्यक जानकारी संकलित करेंगे। इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज करना, आवश्यक सुधार करना तथा मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित कर निर्वाचन सूची को और अधिक सटीक एवं पारदर्शी बनाना है।

## भिलाई निगम के रिक्त प्लॉट की निविदा में भाग लेने की अंतिम तिथि 3 नवंबर

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत विभिन्न आवासीय/व्यावसायिक प्रयोजन हेतु रिक्त भूखण्डों का अंतरण 30 वर्षीय लीज पर दिया जा रहा है, न्यूनतम दर का निर्धारण निगम द्वारा निर्धारित ऑफसेट मूल्य अनुसार है। दिनांक 13.10.2025 को लीज हेतु आनलाईन निविदा जारी किया गया है। निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकार को आनलाईन वेबसाइट में पहले पंजीयन करना होगा तथा स्वयं का डिजिटल सिग्नेचर टोकन तैयार करना होगा। डिजिटल सिग्नेचर टोकन बनवाने पश्चात पोर्टल में पंजीयन से प्राप्त आई.डी. व पासवर्ड एवं डिजिटल सिग्नेचर टोकन पिन के माध्यम से निविदा प्रक्रिया में भाग लिया जा सकता है। निविदा 30 वर्षीय स्थायी लीज पर प्राप्त अधिकतम प्रब्याजि के लिए आमंत्रित की जा रही है। तथा निविदाकार को निगम द्वारा निर्धारित ऑफसेट मूल्य का 10% राशि धरोहर राशि के रूप में ऑनलाइन जमा करना होगा। प्राप्त अधिकतम प्रब्याजि राशि पर आवासीय प्रयोजन हेतु 0.30 प्रतिशत एवं व्यावसायिक प्रयोजन हेतु 0.60 प्रतिशत वार्षिक भू-भाटक देय होगा। रिक्त भूखण्डों का आकार, आफसेट मूल्य, धरोहर राशि एवं सामान्य शर्तें वेबसाईट पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

# राष्ट्रीय एकता दिवस पर व जनप्रतिनिधि प्रशासन द्वारा सद्भावना दौड़ का आयोजन

**डोंगरगांव नगर।** लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस राष्ट्रीय एकता दिवस पर सदभावना दौड़ का आयोजन किया गया। शासन के निर्देश पर प्रशासन द्वारा सुबह 7 बजे से आयोजित रन फॉर यूनिटी के आयोजन में जनप्रतिनिधियों एवं अफसरों सहित नागरिकों ने भी दौड़ लगाते हुए एकता प्रदर्शित किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय एकता दिवस को भारत सरकार ने एकता और राष्ट्रीय अखंडता के महत्व को दर्शाने के लिए समर्पित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में स्थानीय पुलिस थाना चौक अटल परिसर से बीपीएस स्कूल ग्राउंड तक आयोजित प्रशासनिक सदभावना दौड़ में समापन अवसर पर एसडीएम श्रीकांत कोराम, तहसीलदार पीएल नाग, एसडीओपी दिलीप सिसोदिया ने संबोधन के माध्यम से सरदार पटेल के आजादी उपरांत रियासतों को एकजुट करने एवं आजादी को अक्षुण्य बनाये रखने किये गए कार्यों के लिए कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से नमन किया। सदभावना दौड़ में पूर्व जिपंअध्यक्ष दिनेश गाँधी, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता, जिला महामंत्री डिकेश साहू, नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, नपंसभापति पुरुषोत्तम साहू, टीआई कृष्णा पाटले, सीएमओ विनम्र जेमा, वरिष्ठ नागरिक स्वरूपचंद जैन, रामकुमार गुप्ता, संतोष यादव एवं निकाय के पार्षदगण सहित कर्मचारीगण शामिल हुए।

# महतारी चौक मे होगा भव्य महाआरती व रंगोली प्रतियोगिता

## तैयारियो को लेकर नपाध्यक्ष ने किया स्थल निरीक्षण

**बेमेतरा।** राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में है। इसी कड़ी मे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बेमेतरा मे 1 नवम्बर को महतारी चौक मे आयोजित होने वाले भव्य महाआरती एवं रंगोली प्रतियोगिता के सम्बन्ध मे हो रहे तैयारियों का जायजा लिया. दरअसल, रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने वाले राज्योत्सव को भव्य बनाने की पूरी तैयारी की जा रही है। इस मौके पर नगर पालिका सीएमओ नरेश वर्मा, पार्षद नीतू कोठारी व नगरपालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। नपाध्यक्ष सिन्हा ने गुरुवार को महतारी चौक की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अफसरों से कहा कि सभी जरूरी कामकाज समयसीमा में पूरा कर लेंवे। कोई भी चूक नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता, सजावट और व्यवस्था की सभी तैयारियों का स्वयं स्थल पर पहुँचकर अवलोकन किया, ताकि यह आयोजन हमारे छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और एकता का प्रतीक बन सके।

# नवागढ़ पुलिस के तत्वाधान में सद्भावना दिवस का आयोजन

**बेमेतरा।** नवागढ़ पुलिस व उड़ान एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में सदभावना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उददेश्य समाज में आपसी भाईचारे, एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी, उड़ान एकेडमी के प्रशिक्षक व छात्र-छात्राएँ, नगर के गणमान्य नागरिक तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने लोगों से आपसी सदभाव बनाए रखने, भेदभाव मिटाने और सामुदायिक एकजुटता को मजबूत करने की अपील की और नवागढ़ थाना से शक्ति मंदिर तक सामुहिक दौड़ का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित नवागढ़ थाना प्रभारी भुनेश्वर यादव दिनानाथ सिन्हा मेलाराम यादव ओमकार निर्मलकर राजेन्द्र साहु सहित कोंच उड़ान एकेडमी नवागढ़ हिरा लाल साहू सहित युवा रहे व सामूहिक शपथ कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। अंत में उपस्थित सभी लोगों को थाना प्रभारी भुनेश्वर यादव ने सदभावना का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

# एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बेमेतरा यातायात परिसर में पौधारोपण गूंजा पर्यावरण का संदेश

## वृक्ष केवल पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए हैं संजीवनी : एसएसपी रामकृष्ण साहू

**बेमेतरा।** राष्ट्रीय एकता दिवसके अवसर पर रन फॉर यूनिटी (दौड़) के उपरांत बेमेतरा यातायात परिसर में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू, एएसपी ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कौशिल्या साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, वार्ड पार्षद सभापति विकास तंबोली, वार्ड पार्षद नीतू कोठारी, राजकुमार खांडे, एवं ओमेश्वरी साहू, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना सिटी कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक राकेश साहू, उप निरीक्षक डी.एल. सोना सहित जिले के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, शिक्षिकाएं युवा, पुलिस बल, समाजसेवी तथा आम नागरिकों की उपस्थिति में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत बेमेतरा यातायात परिसर में फूलदार, फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। एसएसपी रामकृष्ण साहू ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए संजीवनी हैं। उन्होंने बताया कि वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण में ऑक्सीजन का संचार करते हैं, जिससे पर्यावरण संतुलित और शुद्ध बना रहता है। उन्होंने वृक्षों से प्राप्त होने वाले फलों, छाया और औषधीय गुणों की महत्ता भी बताई और कहा कि पौधारोपण न केवल पुण्य का कार्य है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित उपहार भी है। उन्होंने सभी से अपने परिसरों को स्वच्छ एवं हरित बनाने का आह्वान किया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नागरिकों से अपील की कि वे भीएक पेड़ माँ के नामअभियान से जुड़ें और कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम पर अवश्य लगाएँ। कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम पर अवश्य लगाएं। उन्होंने इसे मातृत्व के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरे-भरे भविष्य का संकल्प बताया। सभी ने मिलकर हरियाली बढ़ाओ, माँ का मान बढ़ाओ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। एक पेड़ माँ के नाम न केवल एक वृक्षारोपण कार्यक्रम है, बल्कि यह एक आंदोलन है, यदि हर व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाए, तो यह पृथ्वी और भावी पीढ़ियों के लिए सबसे सुंदर उपहार होगा। यह न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहायक होता है, बल्कि भूमि की उर्वरता को भी बढ़ाता है। एएसपी ज्योति सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों व आम नागरिको से आह्वान किया कि वे अपने परिसर और आवासीय क्षेत्रों में खाली भूमि का उपयोग हरियाली बढ़ाने हेतु करें। उन्होंने इसे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक कल्याण से जोड़ते हुए सामूहिक भागीदारी की अपील की।

# आंदू स्कूल में राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुआ विविध कार्यक्रम

**बेमेतरा।** शासकीय प्राथमिक शाला आंदू में राष्ट्रीय एकता दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिक्षक आशीष वर्मा ने विद्यालय में सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई तथा बच्चों ने राष्ट्रीय एकता के नारे लगाए प्राथमिक शाला आंदू में शिक्षक आशीष वर्मा ने राष्ट्रीय एकता दिवस क्यों मनाया जाता है। इस विषय पर बच्चों को समझाया राष्ट्रीय एकता और अखंडता हमारे देश की समृद्धि और विकास की आधारशिला है। जब देश के सभी नागरिक एकजुट होकर अपने देश के लिए काम करते हैं तभी वह देश मजबूत होता है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है देश के सभी लोग एक दूसरे के प्रति सम्मान और एकता की भावना रखें। हम आपस में धर्म और जाति को लेकर ना बंटे और ना ही आपस में लड़ाई झगडे करें राष्ट्रीय एकता के लिए हम सभी को आपस में मिलजुल कर एक साथ रहना होगा। राष्ट्रीय एकता के लिए भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अमूल्य है। उन्होंने देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उनके द्वारा ही रियासतों को भारत देश में शामिल किया गया है और राष्ट्रीय एकता स्थापित की गई सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में भी अपना अमूल्य योगदान दिया था। सरदार पटेल के नाम से भारत सरकार ने गुजरात में स्टैचू ऑफ यूनिटी सरदार वल्लभभाई पटेल की आदमकद प्रतिमा स्थापित की है जो दर्शनीय स्थल भी बन गया है। वह हमें हमेशा राष्ट्रीय एकता का संदेश देता है। बच्चों ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के विषय पर लेखन का कार्य भी किया जिसे बच्चों ने प्रार्थना सभा में सुनाया राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर बच्चों ने रैली भी निकाली, जिसमें उन्होंने एकता का संदेश दिया इस अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक जयनारायण ठाकुर शासकीय प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक मुकेश भुआर्य अनीश दास मानिकपुरी लक्ष्मण साहू तथा वीरेंद्र बंछोर शिक्षक एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से जयप्रकाश साहू उपस्थित रहे।

# पुलिस बेमेतरा द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन

## यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, देशभक्ति और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करेगा : विजय सिन्हा

**बेमेतरा।** राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला पुलिस बेमेतरा द्वारा एकता, अखंडता और भाईचारेके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने हेतु रन फॉर यूनिटी (दौड़) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं आंतरिक सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। यह दौड़ प्रातः 07 बजे पुलिस कंट्रोल रूम बेमेतरा परिसर से एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ की गई। दौड़ का मार्ग – पुलिस कंट्रोल रूम बेमेतरा से प्रताप चौक, भारत माता चौक, जयस्तंभ चौक, परशुराम चौक, सिग्नल चौक, होते हुए वापस कंट्रोल रूम एवं थाना सिटी कोतवाली परिसर बेमेतरा में संपन्न हुआ। रन फॉर यूनिटी में एसएसपी रामकृष्ण साहू, एएसपी ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कौशिल्या साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, वार्ड पार्षद सभापति विकास तंबोली, वार्ड पार्षद नीतू कोठारी, राजकुमार खांडे, एवं ओमेश्वरी साहू, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना सिटी कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक राकेश साहू, सहित जिले के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, शिक्षिकाएं युवा, पुलिस बल, समाजसेवी तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने जिलेवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि– हम सभी एकजुट होकर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखें तथा भाईचारे और सदभावना का संदेश समाज में फैलाएं। यह सदभावना दौड़ राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और भाईचारे के इस संदेश को सशक्त बनाती है। हम सब मिलकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से यह दौड़ देशप्रेम की एक जीवंत मिसाल बनी, जिसने बेमेतरा की सड़कों पर राष्ट्रीय एकता का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि– इस कार्यक्रम का उददेश्य केवल भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अद्वितीय योगदान को याद करना ही नहीं, बल्कि उनके राष्ट्र एकीकरण के विजन को आत्मसात करना भी है। जिस अखंड भारत का सपना सरदार पटेल ने देखा था, उसे आज की युवा पीढ़ी इस एकता दौड़ के माध्यम से सजीव कर रही है। उनके आदर्श आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता, देशभक्ति और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को और मजबूत करेगा। बेमेतरा पुलिस द्वारा आयोजित यह रन फॉर यूनिटी (दौड़) समाज में आपसी सहयोग, सदभाव और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया।

# राज्य स्थापना दिवस पर खुशियों की चाबीः बेमेतरा जिले के 9049 परिवारों को मिलेगा नया आशियाना

## राज्योत्सव रजत महोत्सव के अवसर पर सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम का होगा आयोजन

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली 25वें स्थापना दिवस राज्योत्सव रजत महोत्सव के अवसर पर पूरे प्रदेश में जनकल्याण की अनेक योजनाओं का शुभारंभ और उत्सवपूर्ण आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 01 नवंबर 2025 को राज्यभर में सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित होगा। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन अटल नगर, नवा रायपुर में किया जाएगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग 3.5 लाख से अधिक हितग्राहियों का सांकेतिक गृह प्रवेश कराएंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर बेमेतरा जिले के 9049 हितग्राही परिवार भी इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे और अपने सपनों के घर की खुशियों की चाबी प्राप्त करेंगे। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान नवनिर्मित घरों को दीपों, रंगोली और पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया जाएगा, जिससे पूरा जिला उत्सव के रंग में रंग उठेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत हितग्राहियों को खुशियों की चाबी, आभार पत्र, और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन न केवल एक सरकारी योजना की सफलता का प्रतीक होगा, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायित्व, सम्मान और आत्मनिर्भरता का भी संदेश देगा 7 राज्योत्सव के इस शुभ अवसर पर बेमेतरा जिले के हजारों परिवार अपने नए घर में प्रवेश कर राज्य के विकास और समृद्धि की नई कहानी लिखेंगे। यह दिवस प्रदेश की जनता के लिए गर्व, आशा और उपलब्धि का प्रतीक बनेगा।

## बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय हेतु दावा–आपत्ति आमंत्रित

**बेमेतरा।** जिले में बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय घोषित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। दिनांक 09.09.2025 के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐसी ग्राम पंचायतें एवं नगरीय निकाय जहां विगत दो वर्षों में किसी भी प्रकार का बाल विवाह का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है, उन्हें बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाएगा। बेमेतरा जिले की कुल 425 ग्राम पंचायतों में से 417 ग्राम पंचायतों तथा 11 नगरीय निकायों में से 08 नगरीय निकाय/नगर पंचायतों से संबंधित दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनमें यह प्रमाणित किया गया है कि गत दो वर्षों में किसी भी बाल विवाह का मामला संज्ञान में नहीं आया है। अतः इन ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन को कोई आपत्ति हो या किसी भी प्रकार का बाल विवाह प्रकरण संज्ञान में हो, तो वे विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपने दावा या आपत्ति कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बेमेतरा (छ.ग.) में कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक लिखित रूप में सुसंगत दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### ब्लू वॉटर में नहाने गये दो छात्र डूबे

रायपुर। राजधानी रायपुर के माना थानाक्षेत्र में प्रसिद्ध ब्लू वाटर साइट में नहाने गए दो स्कूली छात्रों की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार लगभग 7-8 लड़के आज शुक्रवार को दोपहर घूमने के लिए माना थानाक्षेत्र स्थित ब्लू वाटर में घूमने के लिए गये थे जहां सभी नहाने के लिए पानी में उतर गये जिनमें से दो छात्र गहरे पानी में चले गये और डूब गये। डूबने वाले छात्रों की पहचान जयेश साहू और मृदुल वंजारिया के रूप में हुई है। दोनों कक्षा 10वीं के छात्र बताए जा रहे हैं। उनके दोस्तों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मना थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, रेस्क्यू ऑपरेशन तेज़ी से जारी है। डाइवर्स पानी में उतरे हैं और दोनों छात्रों की तलाश की जा रही है। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन भी मौजूद हैं। इस घटना के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री का माहौल है। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। माना थाना प्रभारी ने बताया कि रेस्क्यू टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है और जल्द ही छात्रों को खोज निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

### कार से 50 लाख का गांजा बरामद,एक गिरफ्तार

रायपुर। जिले की घरघोड़ा थाना पुलिस ने घरघोड़ा-लैलूंगा मुख्य मार्ग से एक हुंडई कार से 50 लाख रुपये कीमत का ढाई क्विंटल (257.5 किलो) गांजा जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार घरघोड़ा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हुंडई कार में ओडिशा से गांजा लेकर रायगढ़ की ओर आ रहा है। इस पर थाना प्रभारी कुमार गौरव साहू ने तत्काल टीम तैयार और घरघोड़ा- लैलूंगा मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी की। इसी दौरान देर शाम संदिग्ध हुंडई कार क्रमांक सीजी-29 एएस-2077 को रोककर जांच की गई। कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर से 250 पैकेटों में रखा गया 257.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। पुछताछ में कार सवार ने अपना नाम संतोष दास पिता बुधराम दास (आयु 26 वर्ष) निवासी ग्राम चीताबहार, थाना दरिमा, जिला सरगुजा होना बताया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

### सूने मकान से नकदी रकम पार

रायपुर। सिंचाई कालोनी अकतरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 1 लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मिथलेश साहू 32 वर्ष सिंचाई कालोनी अकतरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे नकदी 1 लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

### अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में ग्राम सांकरा धरसींवा निवासी गुलाब सिंह ओडके 21 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनई 0268 को वंदना ग्लोबल कंपनी के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह दूसरे मामले में इंद्रप्रस्थ कालोनी रायपुरा निवासी मुकुल गुप्ता 27 वर्ष ने गोलबाजार थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलई 4182 को रविभवन के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

### सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर। जिले के भानूप्रतापपुर थाना क्षेत्र में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवती से 7.24 लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को पेंड्रा-गौरेला-मरवाही जिले से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार संबलपुर निवासी 28 वर्षीय डिम्पल मानिकपुरी ने 11 अक्टूबर को भानुप्रतापपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी अर्जुनदास महंत और उसके साथी श्याम ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे ऐंठ रहे थे।

---

परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण

# आदिवासी गौरव,शौर्य एवं बलिदान का प्रतीक है यह संग्रहालय-पीएम...

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का किया लोकार्पण

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समारोह के अवसर पर शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को संग्रहालय को उत्कृष्टता के साथ मूर्त रूप देने के प्रयासों के लिए बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों का देश के लिए योगदान जीवंत रूप में प्रदर्शित हो रहा है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे वीर नायकों के शौर्य और बलिदान से परिचित कराता रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय वर्गों की ऐतिहासिक गौरवगाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक यह संग्रहालय-सह-स्मारक अब जनसमर्पित हो रहा है। यह संग्रहालय नई पीढ़ियों को हमारे पुरखों की वीरगाथाओं को अविस्मरणीय बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय की विशेषताओं की जानकारी दी। श्री बोरा ने बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय 50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। यहां 14 गैलरियों में अंग्रेजी हुकूमत काल के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की लगभग 650 मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं। जनजातीय विद्रोहों को आसानी से समझाने के लिए डिजिटल माध्यमों की भी व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संग्रहालय परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर 'ई-पुस्तिका आदि शौर्य' का विमोचन भी किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह जी के वंशजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने संग्रहालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जशपुर जिले की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित 'जशप्योर ब्रांड' के अंतर्गत तैयार किए गए उत्पादों — महुआ लड्डू, महुआ कैंडी, महुआ टी, महुआ हेक्टर संग्रह आदि का अवलोकन किया और उनकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने जशपुर की पारंपरिक हस्तकला 'छिंद कांसा टोकरी' (हाथ से बनी बांस/छिंद की टोकरियाँ) के बारे में जानकारी ली और स्थानीय संसाधनों से बनी इस कलाकृति की प्रशंसा की।

# लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को राजधानी वासियों ने किया याद

■ रन फॉर यूनिटी तथा एकता की शपथ दिलाई गई मंत्रालय एवं निगम कार्यालय में

रायपुर/ संवाददाता

भारत के लौह पुरुष एवं पूर्व पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल 150 वीं जयंती पर आज राजधानी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कृतज्ञ राष्ट्र ने आज का दिन एकता दिवस के रूप में मनाया तथा रन फार यूनिटी के तहत आयोजित दौड़ में लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मिली जानकारी के अनुसार आज प्रदेश के मुख्य सचिव विकासशील ने महानदी मंत्रालय के अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी शामिल हुए। नगर निगम में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित किया गया। भाजपा के कार्यालय मंत्री से मिली जानकारी के अनुसार आज राजधानी में शारदा चौक से लेकर शास्त्री चौक के बीच रन फार यूनिटी का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा अन्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। आज के दिन वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय सिविल सेवा का प्रारंभ किया था। अखिल भारतीय आईएएस अधिकारी तथा आईपीएस सेवा का शुभारंभ किया गया। इसके चलते आज भारत स्टील फ्रेम के रूप में यह सेवाएं जानी जाती है। नगर निगम कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। आज लौह पुरुष भारत गणराज्य के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती पर छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के भूतल पर महात्मा गाँधी की मूर्ति के समक्ष।

# पीएम मोदी ने 14,260 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' कार्यक्रम में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने आज ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) का उद्घाटन किया। वहीं, 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। मोदी ने इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत तीन लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किश्त जारी की। इससे राज्य भर के ग्रामीण परिवारों के लिए सम्मानजनक आवास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड राजमार्ग का शिलान्यास किया। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 3,150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक गलियारा कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में प्रमुख कोयला खदानों, औद्योगिक क्षेत्रों और इस्पात संयंत्रों को जोड़ेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बस्तर और नारायणपुर जिलों में कई खंडों में फैले राष्ट्रीय राजमार्ग-130 डी (नारायणपुर-कस्तूरमेटा-कुतुल-नीलांगुर-महाराष्ट्र सीमा) के निर्माण और उन्नयन का भी शिलान्यास किया। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी (मदंगमुडा-देवभोग-ओडिशा सीमा) को दो-लेन राजमार्ग में उन्नत करने का भी उद्घाटन किया।

## राज्यपाल रमेन डेका ने लोकसभा अध्यक्ष श्री बिड़ला को स्मृति चिन्ह भेंट किया

भाजपाई आजादी की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल के विरोध में खड़ी थी

# आजादी की लड़ाई के दौरान आरएसएस सरदार पटेल के विरोध में खड़ी थी.....

■ सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाकर बता दिया था देश की एकता अखंडता सर्वोपरि

रायपुर। संवाददाता

महान स्वतंत्रता सेनानी देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आज सरदार पटेल का गुणगान करने वाले भाजपाई आजादी की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल के विरोध में खड़ी थी। आजादी की लड़ाई का विरोध करने वाली आरएसएस की विचारधारा और कृत्यों के सरदार पटेल कट्टर विरोधी थे। वे आरएसएस को देश के लिए घातक मानते थे। महात्मा गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन गृह मंत्री पटेल ने 4 फरवरी 1948 को आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाकर बता दिया था, देश की एकता और अखंडता उनके लिए सर्वोपरि थी। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के द्वारा आरएसएस पर प्रतिबंध हटाए जाने की मांग पर कहा था कि संघ के कारण देश में ऐसा माहौल तैयार हुआ जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई थी। उन्होंने कहा कि संघ की गतिविधियां देश सरकार के अस्तित्व के लिए खतरा थी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ऐतिहासिक तथ्य है कि आजादी की लड़ाई के दौरान जब पूरा देश गांधी, नेहरू, सरदार पटेल जैसे नेताओं के नेतृत्व में अंग्रेजो के खिलाफ लड़ रहा था।

### बाईपास जर्जर सड़क को लेकर लोगों ने किया चक्काजाम

**रायपुर।** जिले में छोड़ दिया जाए तो बाकी स्थिति में है। हालत यह है कि कटघोरा में लखनपुर जेन्जरा बाईपास को गड्ढों ने अपना शिकार बनाया है। अल्टीमेटम देने के बाद आज सुबह यहां पर प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम किया। ऐसे में दोनों दिशाओं में गाडियों की लंबी लाइन लग गई। हालांकि कुछ दिन पहले प्रशासन के द्वारा डिस्टिक मिनिरल फाऊंडेशन से ऐसी सभी जर्जर सडकों का सुधार करने के लिए टेंडर जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार 25.98 करोड रुपए ऐसी सभी सड़कों के सुधार के लिए खर्च किए जाने हैं। लेकिन तात्कालिक रूप से वाहन चालकों के साथ-साथ आम लोग समस्यामूलक सडकों पर करने की स्थिति में परेशान हो रहे हैं। कटघोरा क्षेत्र के लखनपुर में लोगों ने बाईपास की दुर्दशा से तंग चक्का जाम कर दिया। पहले से ही यहां पर मौजूद गड्ढों में हालिया बारिश के कारण स्थिति और खतरनाक हो गई। जोखिम का पैमाना कहां पर काम है और कहां पर ज्यादा, इस बारे में लोग आकलन भी नहीं कर सकते। क्षेत्र के लोगों ने इसी इलाके के नजदीक कुर्सी और टेंट लगाकर प्रदर्शन किया। मौके पर उनके द्वारा नारेबाजी की गई। क्षेत्र वासियों का आरोप है कि काफी समय से सडकों की दशा इसी प्रकार की है।

# विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत

■ राष्ट्रनायकों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हमारी भावी पीढ़ी

■ राष्ट्रीय एकता दिवस पर मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि वे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक से शारदा चौक तक आयोजित 'एकता दौड़' में शामिल होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार पटेल को उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत नेतृत्व क्षमता के कारण ही 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। राष्ट्र को एकजुट करने के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

इंटरएक्टिव लर्निंग, खेल-खेल में कानून की समझ

# गृह विभाग की प्रदर्शनी में दिखी नवीन आपराधिक कानूनों की झलक

■ प्रधानमंत्री ने राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी राज्य की विकास यात्रा, सुशासन के नवाचारों और न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में हुए ऐतिहासिक प्रयासों का जीवंत प्रदर्शन है। यह प्रदर्शनी 1 से 5 नवम्बर 2025 तक आम नागरिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और जनप्रतिनिधियों के लिए खुली रहेगी, जिसमें शासन की योजनाओं, जनसेवाओं और नई कानूनी व्यवस्थाओं की जानकारी आम जनता तक रोचक तरीके से पहुंचाया जाएगा। राज्योत्सव प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, खनिज विभाग, गृह विभाग, छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, श्रम विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनसंपर्क विभाग, आदिवासी विकास विभाग, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग,

महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग ने भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से अपने विभाग की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया है। ये सभी विभाग अपनी योजनाओं और नवाचारों के माध्यम से प्रदेश की 25 वर्ष की उपलब्धियों का चित्रण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में न्याय प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में किए गए सुधारों को गृह (पुलिस) विभाग की प्रदर्शनी में विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। इन नवीन आपराधिक कानूनों का उद्देश्य अपराधों की जांच और निपटान में वैज्ञानिक पद्धति, डिजिटल साक्ष्य और फोरेंसिक सहयोग को प्राथमिकता देना है, जिससे न्याय प्रणाली अधिक तेज़, प्रभावी और पारदर्शी बने। गृह विभाग की प्रदर्शनी में पुलिस विभाग, डायल 112, सीन ऑफ क्राइम यूनिट, सिविल हॉस्पिटल, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, अभियोजन, जिला न्यायालय, कारागृह, उच्च न्यायालय सहित न्याय व्यवस्था के पाँच प्रमुख स्तंभ — पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक विशेषज्ञ और न्यायिक अधिकारी — की भूमिका को दर्शाया गया है। गृह विभाग द्वारा प्रदर्शनी में जानकारी दी गई कि तकनीक, अनुसंधान और समन्वय के माध्यम से अब अपराध जांच और न्यायिक प्रक्रिया में गति और सटीकता लाई जा रही है। अभियोजन और न्यायिक कार्यवाहियों की ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली भी न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

## संपादकीय

# आत्महत्याएं - पढ़ाई का दबाव या व्यवस्था की नाकामी?

शिक्षण संस्थानों का वास्तविक अर्थ है, जहां ज्ञानार्जन के साथ-साथ विद्यार्थियों के भीतर व्यावहारिक कौशल और जीवन में चुनौतियों से मुकाबला करने की मानसिक शक्ति भी विकसित होती है। मगर जब कोई विद्यार्थी अपनी जिंदगी से हार मानने को मजबूर हो जाए, तो इन संस्थानों का महत्त्व क्या रह जाता है? क्या आज के शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य सिर्फ किताबी ज्ञान बांटना रह गया है?क्या संस्थानों के प्रबंधन का यह दायित्व नहीं है कि वे अपने परिसर में ऐसा माहौल तैयार करें कि कोई भी विद्यार्थी बिना किसी भेदभाव, परेशानी और तनाव के शिक्षा ग्रहण कर सके? इसी लापरवाही का नतीजा है कि देशभर में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामले साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि सरकार की ओर से इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर उतारने की गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है।यही कारण है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन पर आठ सप्ताह के भीतर विस्तृत ब्योरा पेश करने को कहा है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की हाल की एक रपट भी इस बात की तस्दीक करती है कि देश में विद्यार्थियों की आत्महत्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है।

रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में विद्यार्थियों की आत्महत्या के 13,892 मामले सामने आए, जो वर्ष 2013 की तुलना में लगभग पैंसठ फीसद अधिक है। जबकि वर्ष 2019 की तुलना में यह वृद्धि चौंतीस फीसद दर्ज की गई है। समग्र तौर पर देखें, तो वर्ष 2023 में हुई कुल आत्महत्या में विद्यार्थियों की संख्या आठ फीसद से अधिक थी। यह स्थिति वास्तव में भयावह है। विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति बिगड़ने के कई कारण हो सकते हैं।मसलन, पढ़ाई का दबाव, शिक्षा संस्थानों में हिंसा और जातिगत भेदभाव या फिर घरेलू एवं आर्थिक परेशानियां। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनका समय रहते समाधान किया जा सकता है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में 25 जुलाई के अपने फैसले में सरकार और शिक्षा संस्थानों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे।शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी बेहद संवेदनशील मसला है। सरकार और शिक्षा संस्थानों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संकट को गंभीरता से लेने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने अपने पूर्व के फैसले में यह भी निर्देश दिया था कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश दो महीने के भीतर तमाम निजी कोचिंग केंद्रों के लिए पंजीकरण, छात्र सुरक्षा मानदंड और शिकायत निवारण तंत्र अनिवार्य करने वाले नियम अधिसूचित करें।

**31 अक्टूबर 1875 : सशक्त भारत निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म दिवस**

# संपूर्ण जीवन राष्ट्रगौरव और सांस्कृतिक मूल्यों के लिये समर्पित

**रमेश शर्मा**

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की उन विरली विभूतियों में से एक हैं जिन्होंने स्वाधीनता के लिये जितना संघर्ष किया उतना ही संघर्ष भारत को आकार देने केलिये किया। स्वतंत्रता के साथ आरंभ हुये इस संघर्ष का प्रत्येक पल मानों भीषण षड्यंत्र और उत्पात से भरा था। उन परिस्थितियों में यदि किसी ने लोहा लिया तो वे सरदार वल्लभभाई पटेल ही थे। उनकी दूरदर्शिता, रणनीतिक कौशल और संकल्पशीलता से ही भारत का वर्तमान गणतांत्रिक स्वरूप उभर सका। इसीलिए ÷लौहपुरुष÷ कहलाये। कद-काठी, बोली-वाणी या शरीर सौष्ठव से व्यक्ति की पहचान स्थाई नहीं होती। प्रतिदिन लाखों लोग जन्म लेते हैं, और लाखों लोग विदा होते हैं। सभी की स्मृति स्थाई नहीं होती। करोड़ों में से किसी एक छवि स्थाई स्मृति में होती है। स्मृति का यह स्थायित्व ही व्यक्तित्व, कृतित्व विषम परिस्थिति में अडिग रहने नेतृत्व की सफलता का आधार होता है। ऐसे प्रज्ञावान और पुरूषार्थी मनुष्य सैंकड़ो वर्ष बीत जाने के बाद भी जन श्रृद्धा का केन्द्र होते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ऐसे ही महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें संसार से विदा हुये पचहत्तर वर्ष बीत गये लेकिन आज भी उन्हें आत्मीयता से स्मरण किया जाता है, प्रत्येक व्यक्ति श्रृद्धा शीश नवाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल संसार के उन विरले महापुरुषों में एक हैं जिनका कोई आलोचक नहीं। वे सही मायने में अजातशत्रु हैं। उनका संपूर्ण जीवन मानों समाज, संस्कृति और राष्ट्र केलिये समर्पित था।

**संक्षिप्त जीवन परिचय-** सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ। उनके पिता झाबेरभाई खेड़ा जिले के कारमसद में रहने वाले थे और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय थे। माता लाडबा पटेल धार्मिक स्वभाव की घरेलू महिला थीं। वल्लभभाई कुल सात भाई बहन थे। उनसे बड़े विट्ठल भाई पटेल भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। 1991 में उनका विवाह हुआ। कुछ कारणों से पढ़ाई में बाधा आई 1997 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की तब उनकी आयु बाइस वर्ष थी। 1907 में पत्नि झबेरवॉ का निधन हुआ। 1910 में वकालत पढ़ने लंदन गये। जहाँ उन्होंने प्रथम श्रेणी में वकालत पास की। 1913 में भारत लौटे और अहमदाबाद में वकालत प्रारंभ की। 1915 में वे गुजरात सभा से जुड़े और यहीं से उनका सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन प्रारंभ हुआ। 1917 अहमदाबाद नगर पालिका के लिये चुने गये। इसी वर्ष वे काँग्रेस की गतिविधियों में सक्रिय हुये। 1918 में उन्होंने खेड़ा सत्याग्रह में भाग लिया। 1920 में गुजरात प्रदेश काँग्रेस के अध्यक्ष बने। उनके नेतृत्व में ही काँग्रेस ने अहमदाबाद नगर पालिका का चुनाव लड़ा और भारी बहुमत से सफलता मिली। 1921 में असहयोग आँदोलन में भाग लिया। 1923 में नागपुर में झंडा सत्याग्रह और बोरसाद सत्याग्रह में भाग लिया। 1924 में अहमदाबाद नगर पालिका के अध्यक्ष बने। 1927 में गुजरात में बाढ़ आई तब उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर सहायता समूह बनाकर धन संग्रह किया और पीडितों की सहायता की। 1928 में नगर पालिका से त्यागपत्र देकर बारदौली सत्याग्रह का नेतृत्व किया। 1931 के कराँची अधिवेशन में वे काँग्रेस के अध्यक्ष चुने गये। 1942 के भारत छोड़ो आँदोलन में भाग लिया और गिरफ्तार हुया। वे कुल छै बार गिरफ्तार हुये और अलग-अलग अवधियों में लगभग सोलह माह जेल में रहे। 1946 में संविधान सभा के सदस्य बने। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री बने और 15 दिसम्बर 1950 को हृदयाघात से उनका निधन हुआ।1991 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनका जन्म दिन 31 अक्टूबर भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस

के रूप में मनाया जाता है।

**आँदोलनों में दृढ़ता नेतृत्व की संपूर्णता और ÷सरदार÷ का संबोधन-** छात्र जीवन में झलकती यही दृढ़ता उनके हर आँदोलन में रही। लंदन से लौटकर उनके नेतृत्व में पहला बड़ा आँदोलन 1918 में हुआ था। यह आँदोलन ÷खेड़ा संघर्ष÷ के नाम से जाना जाता है। उन दिनों पूरे क्षेत्र में भयानक सूखा पड़ा। गाँव के गाँव उजड़ गये। भुखमरी से मौते होने लगीं, महामारी भी फैल गई लेकिन सरकारी वसूली न रुकी। वसूली कर्ता घर मकान जेवर छीनने लगे। वल्लभभाई पटेल ने आवाज उठाई। वे वकालत छोड़कर पीड़ितों की सहायता के आगे आये। जब बातचीत से बात न बनी तो आँदोलन आरंभ हुआ। इसका नेतृत्व वल्लभभाई पटेल ने किया। यह आँदोलन तीन स्तर पर चला। एक ओर अहिसंक तरीके से वसूली कर्ताओं को रोकना, दूसरा जन सामान्य को ढाँढस बँधाकर उन्हें एकजुट रखना और तीसरा अंग्रेज अधिकारियों से बातचीत। वल्लभभाई पटेल ने अंग्रेज सरकार से वसूली रोकने और राहत कार्य आरंभ करने की माँग की और यह आश्वासन भी दिया कि स्थिति सुधरते ही किसान राजस्व चुकाने लगेंगे लेकिन सरकार नहीं मानी। उनकी मांग अस्वीकार कर दी गई। तब वल्लभभाई पटेल ने किसानों, व्यापारियों और स्थानीय लोक शिल्पकार तीनों को संगठित करके आँदोलन तेज किया। गाँव गाँव में प्रभात फेरियाँ निकलने लगीं, धरना, प्रदर्शन और कीर्तन आरंभ हुई। अंग्रेज सरकार ने हर पेंतरा अपनाया। कुछ लोगों को प्रलोभन देकर आँदोलन में फूट डालकर तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। बल प्रयोग और गिरफ्तारियाँ भी हुईं पर आँदोलन कम न हुआ। अंत में सरकार को झुकना पड़ा और वसूली में राहत दी गयी। इस आँदोलन का नेतृत्व करने और सफलता के बाद स्थानीय जन मानस में वे ÷सरदार÷ के नाम से प्रसिद्ध हो गये। उन दिनों नायक को ÷सरदार÷ कहा जाता था । बाद में गाँधीजी ने भी उन्हें सरदार कहकर संबोधित किया और वे जन सामान्य में स्थाई रूप से ÷सरदार÷ की उपाधि से विभूषित हो गये। अहिसंक आँदोलन केलिये गाँधीजी के बाद उनकी ख्याति पूरे देश में हुई । और उनकी गणना काँग्रेस के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं में होने लगी। असहयोग आँदोलन सहित काँग्रेस के विभिन्न आँदोलनों और सक्रियता के साथ उन्होंने दूसरा बड़ा आँदोलन 1928 में किया। इतिहास में यह आँदोलन बारडोली सत्याग्रह के नाम से प्रसिद्ध है। उनके नेतृत्व में यह भी एक बड़ा किसान आंदोलन था। अंग्रेज सरकार ने लगान में भारी वृद्धि करके सख्ती के साथ वसूली आरंभ कर दी थी। वल्लभभाई पटेल ने किसानों को संगठित किया और आँदोलन आरंभ कर दिया। सरकार ने पहले इस आंदोलन को भी दबाना चाहा। सरकार जितना दबाव बनाती, आँदोलन उतना तीव्र होता। इसकी प्रतिक्रिया गुजरात के बाहर भी होने लगी। इस बार भी सरकार झुकी और लगान वृद्धि वापस हुई। निरंतर संघर्ष और अपनी क्षमता से उनकी गणना काँग्रेस के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में होने लगी।

**रियासतों के विलीनीकरण में अद्भुत रणनीतिक कौशल** - सरदार वल्लभभाई पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका 562 रियासतों के भारतीय संघ में विलीनीकरण में रही। यह उनकी रणनीति, दृढता और दूरदर्शिता ही थी जिससे सभी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण हो सका। जिससे वर्तमान भारत का राजनीतिक और भौगोलिक स्वरूप सुनिश्चित हो सका। अंग्रेजी सत्ता से भारत की मुक्ति केलिये कुछ तिथियाँ महत्वपूर्ण हैं। पहली तिथि सितंबर 1945 है। इस तिथि पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने इंग्लैंड में भारत विभाजन और सत्ता हस्तांतरण का संकेत दिया था। दूसरी तिथि मार्च 1946 है। तब लंदन से एक केबिनेट मिशन भारत आया। इस मिशन ने भारत आकर मुस्लिम लीग, काँग्रेस और राजाओं से बातचीत करके भारत विभाजन एवं सत्ता हस्तांतरण का फार्मूला तय किया और तीसरी तिथि 3 जून 1947 है। इस तिथि को माउंटवेटेन भारत विभाजन और सत्ता हस्तांतरण फार्मूला लेकर भारत आया और इसके साथ ही विधिवत घोषणा हुई। मुस्लिम लीग को अंग्रेजों के फार्मूले का पहले से अनुमान था। मुस्लिम लीग दो विन्दुओं पर 1945 से ही काम कर रही थी। एक मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों से हिन्दुओं से संपत्ति छीनकर भगाना और दूसरे विभिन्न रियासतों से संपर्क करके पाकिस्तान से जोड़ने का। लीग का यह भी प्रयास था कि अधिकतम रियासतें पाकिस्तान का अंग बने। यदि वे किसी कारण से पाकिस्तान का अंग नहीं बन स्वतंत्र रहें। लीग की इस कूटनीति का सामना करने केलिये सरदार वल्लभभाई पटेल सबसे पहले सक्रिय हुये। केबिनेट मिशन की यात्रा के बाद विभाजन की सीमाएँ लगभग सुनिश्चित हो गई थीं। जिन्ना की ओर से जैसलमेर से लेकर त्रावणकोर तक सीमा प्राँत के शासकों को अपनी ओर मिलाने के प्रलोभन दिये जा रहे थे। इनमें भोपाल, हैदराबाद और जूनागढ़ जैसी मुस्लिम शासकों की रियासतें भी थीं। सरदार वल्लभभाई पटेल ने 15 अगस्त 1947 से पहले इन सभी रियासतों से संपर्क कर लिया था। 15 अगस्त 1947 के बाद तो हैदराबाद एवं जूनागढ़ रियासत में सेना का भी उपयोग किया। जबकि माउंटवेटेन और नेहरुजी सेना के उपयोग के पक्ष में नहीं थे। कश्मीर के भारत में विलय केलिये जो युक्ति उन्होंने निकाली वह अद्भुत थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गोलवलकर जी को श्रीनगर भेजा महाराजा तैयार हुये और कश्मीर का भारत में विलय हुआ।

वे स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। शरणार्थियों के पुनर्वास, हिंसा को शांत करने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खुले विरोध के बावजूद सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। जब 75 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ तब भारत भर में उनका कोई अपना निजी मकान न था । उनका परिवार अहमदाबाद में एक किराये के मकान में रहता था और बैंक खाते में भी केवल 260 रुपये थे । उन्होंने अपने जीवन में अपने परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आगे न बढ़ाया। उनके निधन के बाद गुजरात काँग्रेस के आग्रह पर उनकी बेटी को लोकसभा चुनाव लड़ाया गया ।

## क्या शादी के लिए कुंडली, मंत्रोच्चार और ज्योतिष की भूमिका अहम रहती है?

**रामस्वरूप रावतसरे**

काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के ज्योतिष विभाग के तीन प्रोफेसरों और दो शोधार्थियों ने शादियाँ टूटने एवं लव अफेयर, लिव-इन रिलेशनशिप और घरेलू हिंसा जैसे कारणों पर गहन रिसर्च किया है। उनके इस रिसर्च के निष्कर्ष में चौंकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। रिसर्च में पाया गया कि 37 प्रतिशत शादियाँ सिर्फ इसलिए टूट रही हैं क्योंकि वर-वधु की कुंडली ठीक से मिलाई ही नहीं गई। ग्रह दोषों को नजरअंदाज कर शादियाँ कर ली जाती हैं जिसके बाद रिश्ते बिखर जाते हैं। कभी लव अफेयर में फँसकर एक-दूसरे का मर्डर करवा देते हैं तो कभी परिवार व साथी से संतुष्टि नहीं होने के कारण नया साथी तलाशने लगते हैं।

यह रिसर्च बीएचयू के ज्योतिष विभाग में आयोजित एक सेमिनार में पेश की गई। इस सेमिनार में भारत के 15 राज्यों से शोधार्थी पहुँचे थे। साथ ही नेपाल, सिंगापुर और दुबई से भी विशेषज्ञ शामिल हुए। इस सेमिनार में प्रोफेसर विनय पाण्डेय ने अपना शोधपत्र पढ़ा। प्रोफेसर विनय पाण्डेय के अनुसार लड़का-लड़की की कुंडली में 36 में से 32 गुण मिलने के बावजूद ग्रहों का मिलान जरूरी है, लेकिन आजकल लोग मॉडर्न दिखने के चक्कर में सनातन रस्में निभाते ही नहीं। शादी में फोटोशूट और सेल्फी में व्यस्त रहते हैं। मंत्रों का उच्चारण तक नहीं होता। नतीजा? शादियाँ टूट रही हैं, पति-पत्नी एक-दूसरे का खून कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में पति-पत्नी के बीच जघन्य हत्याओं के मामले बढ़े हैं। ज्यादातर केसों में एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर का हाथ होता है। प्रो. विनय ने कहा, जब कुंडली और ग्रह मिलान ठीक से होता है तो रिश्ता 100 प्रतिशत सही चलता है। ज्योतिष तो एक तरह की गणित है, वैज्ञानिक तथ्य है।

जानकारों के अनुसार रिसर्च की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि हिंदू धर्म में विवाह को अटूट बंधन माना जाता है लेकिन आधुनिकता के नाम पर परंपराओं को ठुकरा दिया जा रहा है। ज्योतिष विभाग के प्रमुख प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी के अनुसार लोग अधिक आधुनिक होने का ढोंग करते हैं। कुंडली मिलान को बकवास मानते हैं। नतीजे आपके सामने हैं- तलाक, हिंसा और हत्याएँ। रिसर्च टीम ने महसूस किया कि ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक यही समस्या फैल रही है। लिव-इन और लव अफेयर को बढ़ावा मिल रहा है, लेकिन शादी के बाद रिश्ते संभाल नहीं पाते।

ये रिसर्च करीब डेढ़ साल से चल रही बताई जा रही है। आँकड़े आने के बाद उन पर रिसर्च में छह महीने लगे। इस टीम में प्रो. विनय पाण्डेय, प्रो. आशुतोष त्रिपाठी, प्रो. अमित कुमार मिश्रा, शोधार्थी गणेश प्रसाद और नेपाल की पीएचडी छात्रा रोदना घिनरे शामिल थे। डेटा इकट्ठा करने के लिए दो तरीके अपनाए गए। पहला बीएचयू ज्योतिष विभाग की ओपीडी से, यहाँ पूरे देश से लोग कुंडली दिखाने आते हैं।

दूसरे शोधार्थियों को यूपी के 12 जिलों में भेजा गया। वहां उन जोड़ों को चुना गया जिनकी शादी के तीन साल के अंदर तलाक हो गया था। कुल 250 केस इकट्ठे किए गए। इनके परिवारों से तीन सवाल पूछे गए। 1-शादी से पहले कुंडली मिलाई गई अथवा नहीं ? कितने गुण मिले? कोई ग्रह दोष तो नहीं था? 2-अगर दोष मिला तो शादी क्यों की? 3-शादी के दौरान सनातन रीति-रिवाज पूरी तरह अपनाए गए अथवा नहीं ? ये सवाल सरल थे, लेकिन जवाबों ने सच्चाई उजागर कर दी। प्रो. विनय कहते हैं, डेटा एनालिसिस में पाया कि 37 प्रतिशत केसों में शादी के एक-दो साल में ही बिखराव आ गया। कारण? कुंडली ठीक से नहीं मिलाई गई। लोग जल्दबाजी में रिश्ता पक्का कर लेते हैं।ज्बाकी 63 प्रतिशत मामलों में सनातन रीति-रिवाजों की अनदेखी हुई। मुहूर्त होटल बुकिंग के हिसाब से तय किया गया। मंत्रोच्चारण अधूरा रहा। उन्होंने कहा, शादी एक धार्मिक संस्कार है, लेकिन लोग इसे पार्टी बना देते हैं।

प्रो. विनय पांडेय के अनुसार जिन लोगों की कुंडलियाँ विवाह के समय नहीं मिलाई जाती, वो भी तो सफल या फिर असफल-दो ही श्रेणियों में आती हैं। ऐसे में सफल और असफल होने के पीछे भी ज्योतिष की गणनाओं को माना जाए? प्रो. विनय पाण्डेय ने कहा, 'सफल या असफल शादियों, चाहे वो किसी भी धर्म-देश की हों, उनकी भी ज्योतिषीय गणना निकाली जा सकती है। कुंडली न मिलाने का मतलब ये नहीं हुआ कि उनकी कुंडली मिल नहीं रही। पीछे से सबकुछ सही होने पर ही शादियाँ चलती हैं। उन्होंने कहा कि ज्योतिष को गणितीय नजर से देखेंगे तो फर्क समझ में आएगा। उन्होंने कहा कि प्रेम-विवाह करने वाली शादियाँ भी टूट रही हैं और वो चल भी रही हैं। अगर उनकी कुंडलियों का मिलान किया जाए, तो सबकुछ सामने आ जाएगा। गणित हर जगह मौजूद है, चाहे उसकी जानकारी किसी को हो या न हो। रिसर्च के मुख्य निष्कर्ष यही हैं कि कुंडली मिलान सिर्फ गुणों की गिनती नहीं बल्कि ग्रहों का गहरा विश्लेषण है। प्रो. विनय ने स्पष्ट किया, च्च्कुंडली मिलान दो तरह का होता है।

# एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

**मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके।**

**(ललित गर्ग )**

आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है। मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से

अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा। भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है। डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार( इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## युवाओं से देश की एकता और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया

# लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर किया गया एकता दौड़ का आयोजन

कोण्डागांव। को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दौड़ ''रन फॉर यूनिटी'' का आयोजन जिला मुख्यालय कोण्डागांव में किया गया। एकता दौड़ विकास नगर स्टेडियम से शुरू होकर जिला कोर्ट परिसर से होते हुए नेशनल हाईवे, जय स्तंभ चौक एवं बाजार पारा होते हुए पुनः विकास नगर स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुई। दौड़ में विभिन्न आयु वर्ग सहित युवा अधिकारी/ कर्मचारी व आमनारिकों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कलेक्टर कोण्डागांव नुपूर राषि पन्ना पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेष कुमार डाण्डे एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रारंभ किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, कलेक्टर नुपूर राषि पन्ना के द्वारा ने उपस्थित सभी लोगों को देश की एकता, अखंडता व सुरक्षा को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर कोण्डागांव नुपूर राशि पन्ना एवं पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने युवाओं से देश की एकता और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अधिकारियों ने भी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए लौह पुरुष के नाम से विख्यात सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। सभी को सरदार पटेल जी से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस को भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को स्मरण कर उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को बताया। उल्लेखनीय है कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर ''रन फॉर यूनिटी'' का आयोजन किया जाता है और इस वर्ष भी श्री पटेल की 150 जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। सभी वर्गों के लोगों ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव जैसी संकीर्णताओं को त्यागकर एकता का संदेश दिया। और दौड़ में भाग लेकर संकल्प दोहराया कि वे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सदभावना को सदैव बनाए रखेंगे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# जायसवाल निको छोटे डोंगर लौह अयस्क खदान में विशिष्ट स्वच्छता अभियान का समापन

**नारायणपुर।** भारतीय खान ब्यूरो रायपुर के तत्वाधान में विशिष्ट स्वच्छता अभियान 5.0, 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के मध्य चलाया गया। इस विशिष्ट अभियान 5.0 में खदान से संबंधित आवश्यक गतिविधियां सम्मिलित थी। इन गतिविधियों में प्रमुख रूप से सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता अभियान, ई-वेस्ट आइटम की पहचान एवं निर्धारित प्रक्रिया अनुसार उसकी निकासी, खदान स्थलों पर अपशिष्ट सामाग्री से नए उपकरणों का निर्माण, कार्यालय में स्थल प्रबंधन और सौंदर्यकरण का कार्य, प्लास्टिक प्रदूषण रोकथाम, स्वच्छता की रंगोली, हरे कूड़ेदानों का सही उपयोग एवं स्वच्छता ही सेवा के लिए जागरूकता रैली निकालना शामिल था। इसी तारतम्य में छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान के आशीष मिश्रा, उपाध्यक्ष खनन के नेतृत्व में खदान के अलग अलग विभागों को स्वच्छता एवं विशिष्ट गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हुए अलग अलग कार्य सौंपे गए थे जिनमें से सबसे अच्छे कार्य करने वाले 3 विभागों को पुरस्कृत किया जाएगा। अभियान के अंतिम दिन निको के अधिकारीयो और कर्मचारियों द्वारा खदान के भीतर रैली भी निकाली गई। इस पूरे अभियान में छोटेडोंगर खदान से आशीष मिश्रा, प्रदीप कुमार, मुकेश सिंह, रंजन पटेल, निशेष बघेल, अर्जुन गोस्वामी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# किरन्दुल चेंबर ऑफ कॉमर्स ने प्रेस वार्ता आयोजित कर विभिन्न विषयों की दी जानकारी

**किरंदुल।** लौहनगरी किरंदुल में पूर्व व्यापारी संघ के निष्क्रियता से नाराज समस्त व्यपारियों ने नया संघ का निर्माण करते हुए किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के बैनर तले द्विवार्षिक चुनाव किरंदुल के छत्तीसगढ़ भवन में 15 सितंबर को मतदान प्रणाली से कराया था। किरंदुल के इतिहास में पहली बार मतदान प्रणाली से हुए व्यापारियों के चुनाव में नगर में व्यापारियों में खासा उत्साह के साथ 94 प्रतिशत मतदान कर रिकॉर्ड बनाते हुए इस चुनाव में ओम प्रकाश सोनी के पूरे पैनल को विजयी बनाया। जिसमे अध्यक्ष ओम सोनी, सचिव राज प्रसाद, उपाध्यक्ष संजय सोनी, सुषमा साहू, कोषाध्यक्ष विशाल जैन, सह सचिव शेखर दत्ता, सह सचिव मोहित धवन निर्वाचित घोषित किए गए थे। लोकतांत्रिक तरीके से पहली बार हुए व्यापारी संघ के चुनाव के बाद संघ का पहला कदम व्यापारी संघ के पंजीयन का था। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के नाम मे संशोधन करते हुए, किरंदुल चैंबर ऑफ कॉमर्स एसोसिएशन के नाम से व्यापारी संघ का रजिस्ट्रेशन करवाया गया है जो कि भारत सरकार से मान्यता प्राप्त है। रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद किरंदुल चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष व सचिव ने प्रेसवार्ता बुलाकर इसकी जानकारी दी। केसीसी के अध्यक्ष ओम सोनी ने संघ के रिजिस्ट्रेशन की कॉपी पत्रकारों को सौंपते हुए कहा कि चुनाव जीतने के बाद हमारी पहली प्रथमिकता थी कि संघ का रजिस्ट्रेशन कराया जाए। ताकि हम किसी चर्चा में रजिस्टर्ड संस्था के रूप में शामिल हो सके। हमारे संघ को फर्जी कहने वाले अब अपना जुबान बंद रखे। इस चुनाव में किरंदुल के व्यापारियों ने जिस विश्वास के साथ हमे वोट दिया था वो सभी साथी अब एक रजिस्टर्ड संस्था के सदस्य है। रही बात पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण की तो चुनाव के बाद लगातार त्यौहार चल रही है और हम सभी व्यापारी इस त्यौहार में अपने व्यवसाय में व्यस्त है। किसी के व्यापार में व्यवधान न आये इसलिए हमने शपथ ग्रहण में देर की अब चूकि संघ का रजिस्ट्रेशन भी हो गया है और आगे कोई त्यौहार भी नही है तो जल्द ही हम शपथ ग्रहण के तिथि की घोषणा करेंगे। जिसमें आप सभी सदस्यों की भागीदारी अनिवार्य होगी। इस अवसर पर संघ के सचिव राज प्रसाद ने कहा कि हमने किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के नाम से चुनाव कराया था। परंतु संस्था के रजिस्ट्रेशन के समय हमने पाया कि संघ के नाम मे कल्याण शब्द आने से एनजीओ का ही रजिस्ट्रेशन मिलेगा। पर हम इस संस्था को व्यापक रूप देना चाहते थे। जिससे हमारे संघ की पहचान बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स तथा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स की तरह पूरे भारत मे पहचाना जाए।

# किरन्दुल के फाइन ओर कैम्प निवासियों को जमीन के बदले जमीन दे एनएमडीसी : तुलिका कर्मा

## वार्डवासियों के साथ एनएमडीसी किरन्दुल प्रबंधन से मिलकर दिया मांगपत्र

**किरंदुल।** एक दिवसीय किरन्दुल दौरे पर पहुँची पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य तुलिका कर्मा ने वार्ड क्र 12 स्थित फाइन ओर कैम्प के निवासियों से मुलाकात की एवं उनकी समस्याओं से रूबरू हुई। समस्त वार्ड वासियों के ने तुलिका कर्मा के समक्ष अपना मांग रखा कि हम इस स्थान पर विगत 50-60 वर्षो से निवासरत है और एकाएक एनएमडीसी प्रबंधन हमे यहाँ से निकालना चाह रहा है। वार्डवासियों के मांग अनुरूप उन्होंने कहा कि हमे अगर विस्थापित करना है तो हमे उचित मुआवजा सहित जमीन के बदले जमीन दिया जाए, जिला प्रशासन द्वारा निर्मित भवनो में हम नही जाना चाहते है। इस पूरे मामले में दिनभर वार्डवासी एवं एनएमडीसी प्रबंधन के बीच चर्चाओं का दौर रहा और तुलिका कर्मा ने मामले को प्रमुखता से संज्ञान में लेते एनएमडीसी प्रबंधन को वार्डवासियों का मांग पत्र दिया और साथ ही एनएमडीसी एवं जिला प्रशासन के बीच समन्वय बना कर इस समस्या का उचित निवारण का आश्वासन दिया। तुलिका कर्मा ने कहा कि इन्ही वार्डवासियों की मेहनत का नतीजा है जो किरन्दुल आज इस विकसित रूप में नज़र आ रहा है और अगर अगर यह शासन द्वारा निर्मित भवनों में नही जाना चाहते तो उनकी माँग जायज़ है। शासन द्वारा निर्मित भवनों को अन्य कब्जाधारियों के लिए बनाया गया था पर इन पुराने जर्जर भवनों पे इन वार्डवासियों को विस्थापित करना गलत है। तुलिका ने कहा कि अगर वार्डवासियों की मांग है कि उन्हें जमीन के बदले परिवार के किसी एक सदस्य को एनएमडीसी लेबर सप्लाई में नौकरी भी दिया जाए। तुलिका ने दो टूक कहा कि अगर जिला प्रशासन-एनएमडीसी प्रबंधन इस मामले में उचित माँग अनुरूप कार्यवाही नही करता है तो चरणबद्ध तरीके से वार्डवासियों के हित की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस पूरे मामले में किरंदुल ब्लाकध्यक्ष राजेन्द्र मृणाल राय, नगरपालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, जिला प्रवक्ता राहुल महाजन, युवा कांग्रेस जिला महासचिव अविनाश सरकार, पूर्व ब्लॉकध्यक्ष राजू रेड्डी एवं जोविन्स पाप्पाचन, वार्ड 12 पार्षद पदमा नाग, वार्ड क्र. 15 पार्षद गायत्री साहू, वार्ड क्र. 4 पार्षद अमृत टंडन, महिला कांग्रेस ब्लॉकध्यक्ष काजल आनंद, पूर्व पार्षद उग्रे नायक, दिनेश एवं अन्य कार्यकर्ता मौजदू थे।

# बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव संबंधी प्रशिक्षण सह-कार्यशाला सम्पन्न

**कोण्डागांव।** कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव के संदर्भ में बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव अभियान का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सर्वप्रथम जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी कुमार बिसवाल द्वारा बाल विवाह के संबंध में विवाह हेतु निर्धारित आयु, दुष्परिणाम, धाराएं, दण्ड की विस्तार में जानकारी देते हुए कोण्डागांव जिले को बाल विवाह मुक्त किये जाने हेतु उपस्थित जन प्रतिनिधियों आह्वान किया एवं बाल विवाह की रोकथाम हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार जैसे दीवार लेखन, मुनादी, फ्लैक्स के माध्यम से किये जाने कहा गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र सोनी द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए बाल विवाह की रोकथाम हेतु कार्याशाला में उपस्थिति प्रतिभागियों को उनके कार्य दायित्वों से अवगत कराया गया। संरक्षण अधिकारी जयदीप नाथ द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के धाराओं, दण्ड के प्रावधानों, विवाह के लिए आयु आदि के बारे में जानकारी दी गई। आपातकालीन हेल्प लाईन नम्बर 1098 एवं महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में उपस्थित मुरिया समाज प्रमुख धनीराम शारी एवं सर्व आदिवासी समाज प्रमुख बंगाराम शोरी द्वारा समाज के सभी प्रमुखों को अपने-अपने समाज में बाल विवाह न कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जन प्रतिनिधियों को बाल विवाह मुक्त की शपथ दिलाई गई।

## विकासखण्ड एवं जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक में तिथियों तथा स्थान संशोधन, अब 10 नवंबर से होगा आयोजन

**नारायणपुर।** पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जाना है। विकासखण्ड एवं जिला स्तर बस्तर ओलंपिक आयोजन हेतु तिथि व स्थान निर्धारित किया गया है जिसमें विकासखण्ड स्तरीय आयोजन विकासखण्ड नारायणपुर को पूर्व में दो स्थान छोटेडोंगर में 12 एवं 13 नवंबर को तथा नारायणपुर में 17 एवं 18 नवंबर को निर्धारित किया गया था। पूर्व निर्धारित स्थान एवं तिथि में संशोधित करते हुए विकासखण्ड नारायणपुर में विकासखण्ड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 10 एवं 11 नवंबर को परेड ग्राउंड कीड़ा परिसर मैदान नारायणपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विकासखण्ड नारायणपुर के समस्त ग्रामीण एवं शहीर क्षेत्र के खिलाड़ी सम्मिलित होंगे। विकासखण्ड ओरछा अंतर्गत आयोजन विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता पूर्व निर्देशानुसार यथावत् आयोजित किया जाएगा। साथ ही जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक पूर्व निर्धारित तिथि 20 एवं 21 नवंबर को संशोधित करते हुए 13 एवं 14 नवंबर, 2025 को परेड ग्राउंड कीड़ा परिसर मैदान, नारायणपुर में आयोजित किया जाएगा।

# छोटेडोंगर आमदई खदान में होगा अनिश्चितकालीन आंदोलन : मनोज दुग्गा

**नारायणपुर।** स्थानीय ग्रामीणों द्वारा गठित ग्रामीण परिवहन संघ ने स्थानीय वाहनों को जायसवाल निको लिमिटेड में लोडिंग कार्य में प्राथमिकता देने की मांग की है। ग्रामीण परिवहन संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार दुग्गा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हमने निको कंपनी, ट्रांसपोर्टर और प्रशासन से कई बार निवेदन किया कि आमदई खदान, छोटेडोंगर में हमारे स्थानीय वाहनों को लोडिंग कार्य में प्राथमिकता दी जाए ताकि यहां के लोगों को रोजगार मिल सके परंतु लगातार अनुरोधों के बावजूद स्थानीय लोगों को दरकिनार कर बाहरी वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे हमारे जिले के ग्रामीण बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीण परिवहन संघ ने कहा कि इस अन्याय के विरोध में हम 03 नवम्बर 2025 से आमदई खदान जीरो पॉइंट पर अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन करने के लिए बाध्य हैं।यह संघर्ष केवल गाड़ियों का नहीं है, बल्कि नारायणपुर के प्रत्येक निवासी के हक, रोजगार और सम्मान की लड़ाई है। ग्रामीण परिवहन संघ की प्रमुख मांगे नारायणपुर जिले की सभी खदानों में सबसे पहले नारायणपुर के मूलनिवासियों को प्राथमिकता दी जाए। आमदई सहित आने वाले सभी खदान परियोजनाओं में स्थानीय वाहनों, ड्राइवरों, मजदूरों और ठेकेदारों को पहले अवसर दिया जाए। रोजगार और परिवहन कार्य में बाहरी कंपनियों के अनुचित वर्चस्व को रोका जाए। जिला प्रशासन एक स्थायी नीति बनाए, जिससे भविष्य में खुलने वाली खदानों में स्थानीय लोगों का हक सुरक्षित रहे। ग्रामीण परिवहन संघ के अध्यक्षमनोज कुमार दुग्गा ने कहा कि इस आंदोलन से स्थानीय युवाओं और परिवारों को रोजगार मिलेगा। जिले की आर्थिक प्रगति और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। मूलनिवासियों का सम्मान और अधिकार सुरक्षित रहेगा। स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय लोगों का अधिकार सुनिश्चित होगा। आने वाले समय में जब नई खदानें खुलेंगी, तो सबसे पहले जिले के लोग ही लाभान्वित होंगे। हम समस्त जनप्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, समाज प्रमुखों और जिले के नागरिकों से हृदयपूर्वक अपील करते हैं ।

# सयुंक्त संचालक शिक्षा राकेश पांडे ने किया ब्लाक कुआकोंडा का के शिक्षण संस्थानों का दौरा

**किरंदुल।** विकासखंड कुआकोंडा में संयुक्त संचालक शिक्षा राकेश पांडे के द्वारा कन्या उच्चत्तर विद्यालय कुआकोंडा पोटाकेबिन पालनार एवं विद्यानगर किरंदुल का आकस्मिक निरिक्षण किया गया। निरिक्षण के दौरान सभी संस्था की बारीकी से अवलोकन किया गया। छात्रों के बीच जाकर उन्हें समान्य ज्ञान एवं अन्य विषय मे छात्रों को जानकारी दी गई। पोटाकेबिन पालनार में छात्रों के बीच जाकर उन्हें बारह खड़ी पढ़ाया एवं समझया गया। छात्रों के साथ बैठकर माध्यन्ह भोजन ग्रहण किया। सभी शिक्षकों के साथ बैठकर सभी के साथ आपसी संवाद कर शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया। विकासखंड कुआकोंडा में शाला संचालन व्यवस्थित एवं समय से शाला संचालन हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुआकोंडा की प्रशंसा की सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियो एवं शिक्षक के द्वारा सयुंक्त संचालक से मिलकर खुशी व्यक्त की।

# राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन जनप्रतिनिधियों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने लगाई दौड़

**कोण्डागांव।** भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस तथा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से सुबह विकास नगर स्टेडियम में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, व्यायाम शिक्षक, खेल संघ, सेना भर्ती के प्रशिक्षणार्थी, छात्र-छात्राओं, युवाओं, खिलाड़ियों और गणमान्य नागरिकों ने उत्साह के साथ दौड़ लगाई। दौड़ का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल, कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा सहित जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह दौड़ विकास नगर स्टेडियम से प्रारंभ होकर, जिला कोर्ट परिसर से होते हुए नेशनल हाईवे, जय स्तंभ चौक एवं बाजार पारा होते हुए पुनः विकास नगर स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुई। नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष नरपति पटेल ने कार्यक्रम के शुभारंभ में सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# राज्य में 3.51 लाख हितग्राहियों के सामूहिक गृह प्रवेश की तैयारी, जिले के 5556 हितग्राही शामिल

**कोण्डागांव।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 25 वें वर्षगांठ रजत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम पूरे प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन राज्योत्सव स्थल नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सांकेतिक रूप से 3.51 लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया जाएगा। इस आयोजन में कोण्डागांव जिले के 5556 हितग्राही भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत राज्य में अब तक 3.51 लाख से अधिक पक्के आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जिला पंचायत के सीईओ अविनाश भोई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत कोण्डागाव जिले वित्तीय वर्ष 2016 से 2026 तक जिले में कुल 42623 आवास स्वीकृत कर 21356 आवास पूर्ण करा लिया गया है। लगभग 5556 नवीन पूर्ण आवासों का गृह प्रवेश किया जाएगा। आत्मसमर्पित नक्सल पीड़ित परिवारों को पुनर्वास नीति अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के विशेष परियोजना मद से 166 परिवारों को आवास स्वीकृति प्रदान किया गया जिनमें से दो आवास पूर्ण हो चुके हैं उनका भी गृह प्रवेश किया जाएगा। साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के जनमन योजना अंतर्गत तीन आवास स्वीकृत कर पूर्ण कर लिया गया है। राज्य स्थापना दिवस 01 नवम्बर को प्रदेश भर में सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### सिविल डिफेंस टीम का मानवता भरा कार्य, बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सिविल डिफेंस कर्मचारियों की तत्परता से घायल यात्री को मिला समय पर इलाज

**बिलासपुर।** आज लगभग शाम 17:00 बजे, बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 पर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। खड़गपुर से सूरत जा रही ट्रेन का एक यात्री पानी लेने के लिए ट्रेन से नीचे उतरा, इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह घायल हो गया। स्थिति की गंभीरता और संवेदनशीलता को समझते हुए, स्टेशन पर तैनात नागरिक सुरक्षा बल के जवानों ने तत्परता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए घायल यात्री को तुरंत प्राथमिक उपचार प्रदान किया और शीघ्र ही सिम्स अस्पताल पहुँचाया। सिविल डिफेंस टीम की त्वरित प्रतिक्रिया एवं मानवीय संवेदनशीलता के चलते उस यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त हो सकी। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वह खतरे से बाहर है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने सिविल डिफेंस टीम के सदस्यों की तत्परता, सजगता और मानवीय संवेदना की सराहना करते हुए कहा कि सिविल डिफेंस की टीम आपातकालीन स्थितियों में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है और समाज में मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

### एसईसीएल में पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने के लिए लगाए जाएंगे विशेष शिविर

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) एवं कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफ़ओ) के संयुक्त तत्वाधान में पेंशनभोगियों के लिए इस वर्ष डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने हेतु 'ODLC 4.0' विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान भारत सरकार के निर्देशानुसार नवंबर 2025 के दौरान एसईसीएल मुख्यालय सहित सभी संचालन क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है, ताकि पेंशनभोगियों को सुविधा मिल सके और पेंशन का नियमित भुगतान निर्बाध रूप से जारी रह सके। डिजिटल जीवम प्रमाण पत्र जमा करने के लिए एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में 4 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक (शनिवार एवं रविवार को छोड़कर) विशेष शिविर लगाया जाएगा। वहीं विभिन्न संचालन क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन इस प्रकार होगा — कोरबा क्षेत्र में 4 से 5 नवंबर, रायगढ़ क्षेत्र में 6 से 7 नवंबर, गेवरा क्षेत्र में 10 से 11 नवंबर, कुसमुण्डा क्षेत्र में 12 से 13 नवंबर, जमुना कोतमा क्षेत्र में 13 से 14 नवंबर, चिरमिरी क्षेत्र में 17 से 19 नवंबर, बैकुंठपुर क्षेत्र में 20 से 21 नवंबर, भटगांव क्षेत्र में 5 नवंबर, बिश्रामपुर क्षेत्र में 6 नवंबर, हसदेव क्षेत्र में 10 से 12 नवंबर, सोहागपुर क्षेत्र में 10 से 11 नवंबर तथा जोहिला क्षेत्र में 12 से 13 नवंबर तक। इन शिविरों में पेंशनभोगी नि:शुल्क अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। पेंशनभोगियों को शिविर में पेंशन पेमेंट ऑर्डर (PPO), बैंक पासबुक एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर अपने साथ लाना आवश्यक होगा। एसईसीएल प्रबंधन ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपने नजदीकी शिविर में जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अवश्य जमा करें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की बाधा न आए। ध्यान दें, जीवन प्रमाण पत्र जमा न करने पर पेंशन भुगतान अस्थायी रूप से रोक दिया जा सकता है।

# बिलासपुर मंडल द्वारा अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) सुर-संगम 2025 का भव्य आयोजन किया गया..

**बिलासपुर।** दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को बिलासपुर मंडल के तत्वावधान में एनईआई सभागार में सुर-संगम 2025 अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर मुख्यालय सहित रायपुर, नागपुर एवं बिलासपुर मंडल से सुर एवं संगीत की विभिन्न विधाओ के प्रतिभागी शामिल हुये । इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संगीत की समृद्ध परंपराओं को प्रोत्साहन देना और नई पीढ़ी को इसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल एवं मंडल सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती भगवती खोईवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । इसके पश्चात इस प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की विभिन्न श्रेणियों में पारंपरिक लोक धुनों और शास्त्रीय वादन जैसी अनेक विधाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत परिचय दिया, जिससे भारतीय लोक कलाओं की विविधता और जीवंतता को दर्शाया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के चयन के लिए 03 सदस्यीय निर्णायक मंडल बनाए गए थे जिसमें डॉ शिवनारायण मौरे, विकास डिकसेना, तथा मनीषा श्रीवास शामिल थे कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती भगवती खोईवाल के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अंशुमान मिश्रा, मंडल कार्मिक अधिकारी रुहिना तुफ़ैल खान सहित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण अधिकाधिक संख्या में उपस्थित थे । मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने कहा कि हम न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रयास कर रहे हैं, बल्कि इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का भी संकल्प ले रहे हैं। उन्होने कार्यक्रम एवं प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई दी । कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश श्रीवास ने किया प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम इस प्रकार है- शास्त्रीय संगीत गायन (एकल)प्रथम- पंकज बी जाधव, द्वितीय आभा बक्सी, तृतीय सौम्या ठाकुर। सुगम संगीत गायन(एकल) - प्रथम डॉ तोपराज सिंग पटेल, द्वितीय सम्पत अरुणा, तृतीय अमित मलिक । शास्त्रीय संगीत वादन(एकल) - प्रथम अमित मलिक, द्वितीय पंकज बी जाधव, तृतीय प्रवल बोरकर। सुगम वादन(एकल) -प्रथम अमित मलिक, द्वितीय पंकज बी जाधव, तृतीय रोहित अरोदिया। ऑल ओवर ऑल विजेता - नागुपर मंडल

## जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में विभागीय प्रदर्शनी विभागों की योजनाओं का प्रदर्शन.....

**सूरजपुर संवाददाता।** छत्तीसगढ़ राज्य के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज सूरजपुर के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्योत्सव प्रदर्शनी में कुल 21 विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए थे, जिनके माध्यम से प्रदेश की 25 वर्ष की उपलब्धियों का चित्रण किया गया । इन विभागों ने अपनी योजनाओं, नवाचारों और जन-कल्याणकारी कार्यों को आधुनिक तकनीक और आकर्षक मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाकर छत्तीसगढ़ के 25 सालों की प्रगति व विकास की गौरवशाली यात्रा का चित्रण किया गया । जिसमें कृषक बंधु के उत्थान, महिला सशक्तिकरण, जनजातिय सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, ऊर्जा, आत्मनिरर्भता की प्रगति के संबध में जानकारी दी गई । इसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को संवारने और लोक कल्याण के लिए उठाये जा रहे सकारात्मक कदमों का वर्णन भी किया गया हैं। कृषि,शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग व आर्थिक विकास की रूप रेखा का प्रदर्शन किया गया।जनसंपर्क विभाग के स्टॉल में शासन के विकास कार्यों और गतिविधियों पर आधारित पुस्तकों का वितरण भी किया गया । प्रदर्शनी में शामिल विभाग :- जिला पंचायत, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उद्यान/मतस्य/कृषि विभाग एवं पशु विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, खनिज विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनसंपर्क विभाग, आदिवासी विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, क्रेडा एवं विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, एस.ई.सी.एल. बिश्रामपुर/ भटगांव, लाइवलीहुड कालेज, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, इन विभागों ने अपनी विभागीय योजनाओं, जैसे कि किसान हितैषी नीतियां, स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाएं, महिला सशक्तिकरण, पीएम सूर्य घर योजना को जीवंत मॉडल व पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया।

## रामानुजनगर में खुला प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र दवाइयों के खर्च से मिल रही लोगों को बड़ी राहत

**रामानुजनगर।** केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत रामानुजनगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की शुरुआत होने से आम जनता को दवाइयों के खर्च में बड़ी राहत मिली है। इस केंद्र के खुलने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अब महंगी दवाइयों पर हजारों रुपये खर्च नहीं करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई यह योजना देशभर में गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। रामानुजनगर में खुले इस केंद्र से मिलने वाली दवाइयां भारत सरकार द्वारा प्रमाणित हैं और नामी दवा कंपनियों से आती हैं। यहां मिलने वाली जेनेरिक दवाइयां उन्हीं रासायनिक संघटनों से बनी होती हैं जिनसे महंगी ब्रांडेड दवाइयां तैयार की जाती हैं। फर्क सिर्फ नाम और कीमत का है, असर दोनों का समान रहता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले जहां एक महीने की दवा पर दो से तीन हजार रुपये खर्च करने पड़ते थे, वहीं अब वही दवाएं जन औषधि केंद्र से मात्र तीन सौ से चार सौ रुपये में मिल जाती हैं। इस वजह से मरीजों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। केंद्र में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, एलर्जी, जोड़ों के दर्द, बुखार, संक्रमण और पेट की बीमारियों की दवाइयां आसानी से मिल जाती हैं। इसके अलावा इंजेक्शन, सिरप, मलहम, आई ड्रॉप, एंटीबायोटिक और विटामिन जैसी आवश्यक दवाएं भी सस्ते दर पर उपलब्ध हैं। केंद्र के फार्मासिस्ट विकास दुबे ने बताया कि यहां मिलने वाली सभी दवाइयां सरकार द्वारा जांची और अनुमोदित हैं। कई कंपनियां वही दवाइयां ब्रांड नाम से महंगे दामों पर बेचती हैं, जबकि जन औषधि केंद्र वही दवा कम दाम पर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि अब लोग समझने लगे हैं कि सस्ती दवा का मतलब घटिया दवा नहीं होता।

## नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ.....

**कोरबा।** लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर निगम कार्यालय साकेत में नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली तथा राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने अधिकारी कर्मचारियों को शपथ ग्रहण कराई। भारत सरकार द्वारा लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने से संबंधित दिए गए दिशा निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। निगम के अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने इस मौके पर अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण कराई। शपथ ग्रहण करते हुए अधिकारी कर्मचारियों ने कहा कि हम सत्यनिष्ठा से शपथ लेते हैं कि हम राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे। हम यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहे हैं, जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यो द्वारा संभव बनाया जा सके, हम अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करते हैं।

## एसईसीएल मुख्यालय में '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस एवं 25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' का आयोजन किया गया

**बिलासपुर।** साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में दिनांक 01 नवंबर 2025 को '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस' एवं '25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एन. फ्रैंक्लिन जयकुमार एवं विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार रहे। इस अवसर पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमसंघ प्रतिनिधि, महिला कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री एन. फ्रैंक्लिन जयकुमार एवम विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार एसईसीएल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य की विकास यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ अपने स्थापना काल से ही देश एवम प्रदेश की प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जहाँ कोल इण्डिया अपने स्थापना काल से ही देश को उर्जा आपूर्ति कर रहा है वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के सीधे, सरल, मिलनसार निवासियों के बलबूते चहुमुखी विकास कर रहा है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में एसईसीएल का प्रमुख योगदान है । गेवरा और कुसमुण्डा जैसी विश्व की प्रमुख खदानें इसी छत्तीसगढ़ की धरती पर स्थित हैं, जो इस राज्य की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। एसईसीएल दवारा छत्तीसगढ़ में कोयला उत्पादन के साथ-साथ यहाँ के निवासियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, मुलभूत सुविधाओं के लिए विविध कार्य किए जाते है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित उपस्थित विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा तथा 'खनिक प्रतिमा' पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा कोल इंडिया ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप, राज्य की माटी, मानचित्र, हल एवं धान की बाली की पूजा अर्चना भी की गई। कार्यक्रम में उद्घोषणा का दायित्व श्री शेख जाकिर हुसैन, मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा निभाया गया।

# सतर्कता और पारदर्शिता के लिए एसईसीएल की तकनीकी पहलों की केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सराहना की.....

**बिलासपुर।** केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की पारदर्शिता, जवाबदेही और एथिकल गवर्नेंस को सुदृढ़ बनाने हेतु की गई टेक्नॉलॉजिकल एवं डिजिटल पहलों को अपनी वार्षिक प्रकाशन प्रिवेंटिव विजिलेंस मेजर्स ड्रू 2025 में शामिल किया है। इस प्रकाशन में स्मार्ट विजिलेंस, सेफ़ माइन्स शीर्षक से प्रकाशित आलेख में एसईसीएल की इनॉवेटिव और प्रोग्रेसिव प्रैक्टिसेज़ को रेखांकित किया गया है, जिसमें बताया गया है कि किस प्रकार डिजिटल सिस्टम्स का उपयोग प्रिवेंटिव विजिलेंस, सेफ्टी और ऑपरेशनल एफ़िशिएंसी को सुदृढ़ बनाने में किया जा रहा है। मुख्य पहलों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को डिजिटल विजिलेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में दर्शाया गया है। आईसीसीसी के अंतर्गत सीसीटीवी सर्विलांस, व्हीकल लोड मॉनिटरिंग, फ़ायर और स्मोक डिटेक्शन तथा पीपीई कंप्लायंस को एकीकृत किया गया है। एआई एनालिटिक्स के माध्यम से किसी भी अनियमितता की पहचान रियल टाइम में हो जाती है, जिससे त्वरित एवं प्रिवेंटिव एक्शन संभव हो पाता है। प्रकाशन में एसईसीएल की डिजीकोल पहल का भी उल्लेख किया गया है — जो ड्रोन, आईओटी डिवाइसेज़ और एआई एनालिटिक्स की सहायता से माइन प्लानिंग, मॉनिटरिंग और लैंड मैनेजमेंट को अधिक प्रभावी बनाती है। यह प्रणाली रियल टाइम वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस, फ्यूल ट्रैकिंग और इक्विपमेंट परफॉर्मेंस असेसमेंट के माध्यम से वैज्ञानिक खनन एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देती है। सतर्कता के क्षेत्र में एक अन्य उल्लेखनीय कदम फ्यूल डिस्पेंसिंग सिस्टम का ऑटोमेशन रहा है। एसईसीएल ने आरएफ़आईडी बेस्ड डीडीयू ऑटोमेशन सिस्टम लागू किया है, जिससे केवल

ऑथराइज्ड व्हीकल्स और मशीनों को ही फ्यूल प्राप्त हो सकता है। प्रत्येक ट्रांज़ैक्शन का डिजिटल ऑडिट ट्रेल तैयार होता है, जिसकी निगरानी एआई बेस्ड एनालिटिक्स द्वारा की जाती है। इस पहल से फ्यूल मैनेजमेंट में पारदर्शिता, जवाबदेही और उल्लेखनीय बचत सुनिश्चित हुई है। इसके अतिरिक्त, एसईसीएल के विजिलेंस एंड सिस्टम्स डिपार्टमेंट द्वारा विकसित एआई पावर्ड जटायु डैशबोर्ड एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, जहाँ सभी रूल्स, गाइडलाइन्स और सर्कुलर्स तक त्वरित एवं प्रमाणिक पहुँच संभव है। इसमें समाहित एआई चैटबॉट उपयोगकर्ताओं को रूल-बेस्ड वेरिफ़ाइड इन्फ़ॉर्मेशन उपलब्ध कराता है, जिससे डिसीजन मेकिंग प्रोसेस अधिक पारदर्शी एवं तथ्यपरक बनती है। इन सभी पहलों के माध्यम से एसईसीएल ने इंटीग्रिटी एवं टेक्नॉलॉजिकल इनोवेशन की संस्कृति को सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। मिनिस्ट्री ऑफ कोल के मार्गदर्शन और सीवीसी की दृष्टि से प्रेरित होकर एसईसीएल सतत रूप से डिजिटल सॉल्यूशंस अपनाते हुए अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और एफ़िशिएंट संचालन की दिशा में अग्रसर है।

## पेंशन योजनाओं के शेष बचे हितग्राहियों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं

**कोरबा।** आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने निगम के समस्त जोन उप प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि वे अपने जोन के अंतर्गत ऐसे शेष बचे सभी पेंशन हितग्राहियों, जिनका सत्यापन अभी तक नहीं किया जा सका है, का वार्षिक सत्यापन शीघ्र पूर्ण कराएं ताकि पेंशन हितग्राहियों को नियमित पेंशन की प्राप्ति में किसी प्रकार का अवरोध उपस्थित न होने पाएं। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के पेंशन हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप के माध्यम से किए जाने हेतु पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत हितग्राहियों का सत्यापन कार्य निगम के सभी जोन में आयोजित शिविरों के माध्यम से कराया गया था किन्तु कुछ हितग्राहियों का सत्यापन कार्य किया जाना अभी भी शेष है। शतप्रतिशत हितग्राहियों का सत्यापन कार्य सुनिश्चित किए जाने के मद्देनजर अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने समस्त जोन उप प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि वे अपने क्षेत्रांतर्गत इस हेतु पुन: मुनादी कराएं तथा हितग्राहियों को उनके आधार कार्ड व मोबाईल नम्बर के साथ उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए सत्यापन का कार्य पूरा कराएं।

# रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

**दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-**

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-

- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नम :' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।
- श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।
- श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।
- इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।
- यह स्थिति - पांचवीं स्थिति के समान
- यह स्थिति - चौथी स्थिति के समान
- यह स्थिति- तीसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - दूसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है। सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

# मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -

- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात :काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

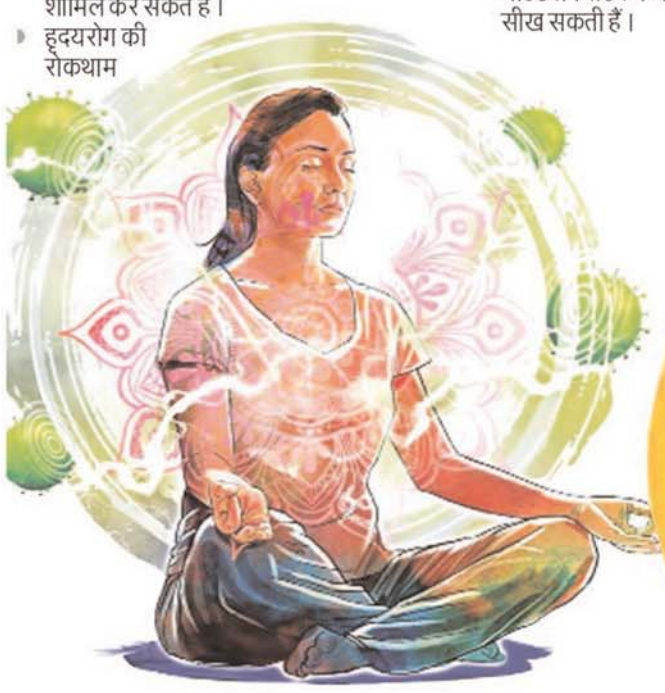

# लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

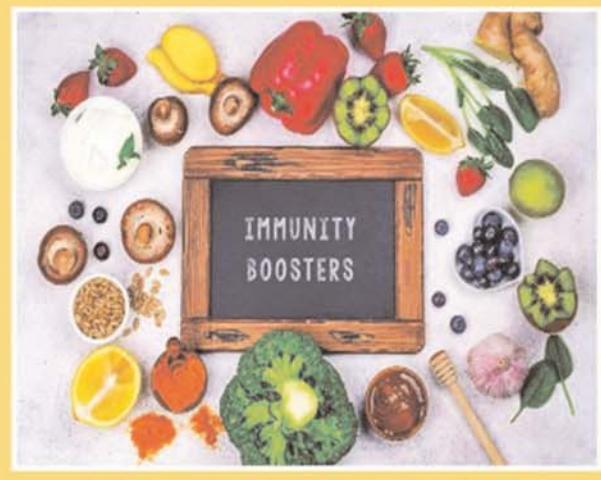


**इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।**

## खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

## कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

## टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

## पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

## ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

## गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

# एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिंक - जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।
- पत्तेदार सब्जियां - पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

# गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

**खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।**

### कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

### एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

### ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

### गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।



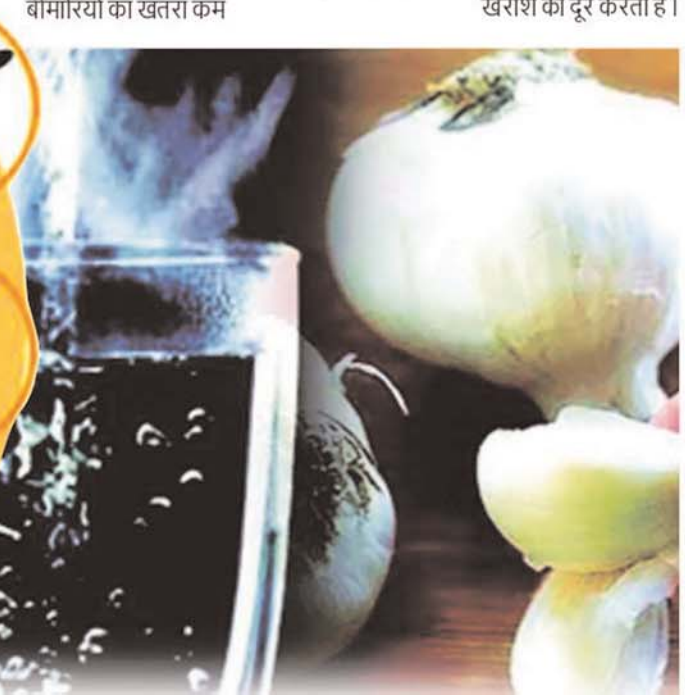

# शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है : उच्च शिक्षा मंत्री

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा-सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का कार्यक्रम आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा शामिल हुए। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। छत्तीसगढ़ की स्मृति और भारतीय संस्कृति दोनों ही अत्यंत समृद्ध हैं। हमारी मूल अवधारणा 'अतिथि देवो भवः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव पर आधारित है। मंत्री वर्मा ने कहा कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, जो भौगोलिक या राजनीतिक सीमाओं से नहीं, बल्कि अपनी ज्ञान परम्पराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से पहचानी जाती है। उन्होंने कहा कि भारत की परम्पराएँ केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती हैं। उन्होंने वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, ज्योतिष, खगोलशास्त्र, गणित और दर्शन जैसे विषयों की समृद्ध परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्पराओं का आधार आध्यात्म, नैतिकता और व्यवहारिकता है। प्राचीन गुरुकुलों में शिक्षा का लक्ष्य केवल आजीविका नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर चरित्र, अनुशासन और समाज के प्रति समर्पण का संस्कार स्थापित करना था। नई शिक्षा नीति 2020 इसी परम्परा को आधुनिक रूप में आगे बढ़ रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच पर आधारित यह नई नीति शिक्षा को रोजगार, संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आज का सृजन ही कल के विश्वगुरु भारत का आधार बनेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ज्ञान परम्परा के सबसे बड़े संरक्षक और सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि प्रश्न करना ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। प्रश्न करने से ही ज्ञान में वृद्धि होती है। राजा जनक के दरबार में भी सवाल और विचार-विमर्श ही ज्ञान का आधार थे। भारतीय विद्वानों का उल्लेख करते हुए वक्ता ने कहा कि आर्यभट्ट के शून्य और दशमलव पद्धति से लेकर कालिदास, तुलसीदास, कबीर, रहीम और मीराबाई की रचनाओं तक भारत की ज्ञान परम्परा ने विश्व को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मनुष्य को केवल बुद्धिमान ही नहीं बल्कि विवेकवान बनाती है और यह भारतीय संस्कृति को उसकी जड़ों से जोड़े रखने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, सक्षम और स्वच्छ राष्ट्र बनाना। इस दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार भी सक्रियता से कार्य कर रही है और यह लक्ष्य तभी संभव होगा जब हम सभी मिलकर कार्य करें। इस अवसर पर साइंस कॉलेज के प्राचार्य अजय कुमार सिंह, संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, महेन्द्र कपूर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

# तहसील साहू संघ पाटन चुनाव में दिनेश साहू टीम को मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन

**पाटन।** तहसील साहू संघ पाटन के चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार दिनेश साहू और उनकी पूरी टीम को मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन चुनावी माहौल में नई ऊर्जा लेकर आया है।

तहसील के पांचों परिक्षेत्रों में हाल ही में हुए निर्वाचन में उनकी टीम की शानदार जीत से संगठन के भीतर एकता और उत्साह का नया संचार हुआ है। संगठन के कार्यकर्ताओं और समाजजनों के बीच लगातार बढ़ता समर्थन यह संकेत दे रहा है कि आने वाले तहसील चुनाव में दिनेश साहू टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

### महिला नेतृत्व की दमदार उपस्थिति

उपाध्यक्ष पद के लिए दो सशक्त महिला उम्मीदवारों की सक्रियता चुनाव को और रोचक बना रही है। अंजिता गोपेश साहू, ग्राम पंचायत पतोरा की पूर्व सरपंच एवं तहसील साहू संघ पाटन युवा प्रकोष्ठ संयोजक गोपेश साहू की धर्मपत्नी, तथा लीना साहू, ग्रामॅ पंचायत बोरेन्दा की पूर्व सरपंच, मानस मर्मज्ञ एवं अधिवक्ता भूषण साहू की धर्मपत्नी, दोनों उम्मीदवार अपने नेतृत्व कौशल, संगठन के प्रति समर्पण और सक्रिय जनसंपर्क के चलते मतदाताओं के बीच विशेष पहचान बना चुकी हैं।

### संगठन में एकता और समाज उत्थान का संदेश

दिनेश साहू टीम के प्रचार अभियान में महिलाओं की भागीदारी, परिक्षेत्रीय अध्यक्षों की एकजुटता, और समाजजनों के बढ़ते समर्थन ने चुनाव को मात्र प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ाकर संगठन की एकता और समाज उत्थान की भावना का प्रतीक बना दिया है। चुनाव के प्रत्येक चरण में जिस तरह से समाजजन उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, उससे यह स्पष्ट झलकता है कि पाटन तहसील साहू संघ एक नई दिशा और सशक्त नेतृत्व की ओर अग्रसर है।

## छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर 1 से 5 नवम्बर तक शासकीय भवनों में होगी रोशनी

**दुर्ग।** राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के सभी जिला मुख्यालयों में स्थित शासकीय भवनों में रोशनी करने के निर्देश जारी किया गया है। इस अवसर पर 01 से 05 नवम्बर 2025 तक की रात्रियों में सभी सरकारी भवनों पर 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम के अनुरूप रोशनी की जाएगी।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय भवनों के साथ-साथ निजी संस्थाओं को भी अपने कार्यालय भवनों में रोशनी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस व्यवस्था पर होने वाला व्यय संबंधित विभाग अपने विभागीय बजट से वहन करेंगे। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने अधीनस्थ कार्यालयों में रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा अधीनस्थ निजी संस्थाओं को भी कार्यालय भवनों में रोशनी करने प्रोत्साहित करें।

## महाविद्यालय की गौरवमयी 'गुरु-शिष्य परंपरा' को नमन, 8 नवम्बर को होगा भव्य 'पूर्व छात्र सम्मेलन

**बलौदाबाजार।** डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में भूतपूर्व छात्रों के प्रथम भव्य सम्मेलन के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 29 अक्टूबर 2025 को किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अश्विनी महाजन ने की। बैठक की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. महाजन ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा– पूर्व छात्र किसी भी संस्था की गरिमा और गौरव का प्रतीक होते हैं। उनका पुनर्मिलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं, अनुभवों और प्रेरणाओं का संगम है। यह सम्मेलन हमारे महाविद्यालय की पहचान और परंपरा को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पुराने छात्रों और वर्तमान पीढ़ी के बीच अनुभव एवं संवाद का सेतु बनेगा, जिससे संस्थान की प्रगति और सामाजिक सहयोग को नई ऊर्जा मिलेगी।

**8 नवम्बर को होगा भव्य आयोजन** – बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन 8 नवम्बर 2025 को किया जाएगा।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय की गौरवशाली परंपरा, पूर्व छात्रों की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मानित करने का एक ऐतिहासिक अवसर होगा।

**सम्मेलन तीन सत्रों में होगा आयोजित** – निर्धारित रूपरेखा के अनुसार सम्मेलन तीन सत्रों में आयोजित किया जाएगा।पहले सत्र में स्वागत एवं सम्मान समारोह रखा गया है।

# भारी मात्रा में कोनो कार्पस नामक बेहद खतरनाक पौधों का किया जा रोपण

**बलौदाबाजार।** विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्ट्राटेक सीमेंट के कुकुरडीह संयंत्र के प्रबंधन द्वारा कोनो कार्पस नामक बेहद खतरनाक पौधों के भारी मात्रा में रोपण आनन फानन में किया जा रहा है। यह पौधा इतना विषाक्त है कि नीलगिरी की तरह धरती से पानी बहुत खींचता है और इसके परागण से दमा एवं श्वास रोगियों को तकलीफ होती है। सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि कुकुरडीह स्थित नव निर्मित संयंत्र ने विवादास्पद कोनो कार्पस वृक्ष के इक्कीस हजार वृक्षों के रोपण की योजना बनाई है जिसका कार्यान्वयन नवंबर महीने की शुरुआत में होना है। संयंत्र प्रबंधन द्वारा अन्य कई किस्म के फूलदार और छायादार वृक्षों के स्थान पर कोनो कार्पस वृक्ष को अधिमान्यता दी जा रही है। कोनो कार्पस वृक्षों के बारे में बलौदा बाजार नगर के पर्यावरण के जानकार लोगों का कहना है कि यह एक जल पिपासु वृक्ष है जिसकी जड़ें पानी की खोज में बहुत गहरे और दूर दूर तक चली जाती हैं। यहां तक कि कोनो कार्पस की जड़ें पाइप लाइनों के पास जाकर उनसे लिपट कर वैसे ही पानी खींचती हैं जैसे जोंक किसी के पैर से लिपटकर दांत गड़ाकर खून चूसती और मोटी होती जाती है। बताते हैं कि अल्ट्राटेक सीमेंट के कुकुरडीह संयंत्र द्वारा अंचल के जलस्रोतों की कीमत पर कोनो कार्पस रोपण की योजना इसलिए बनाई गई है क्योंकि यह बहुत तेजी से बढ़ता है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वालों को जल्दी से जल्दी हरियाली दिखाई जा सके। इस वृक्ष को भारत के तीन जागरूक राज्यों गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में प्रतिबंधित किया गया है लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार इस दिशा में उदासीन है। यदि सरकार द्वारा कोनो कार्पस पर शीघ्र प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो यह आगामी समय में जल संकट का कारण बनेगा। शहरों के मुख्य मार्ग के डिवाइडर में नगर पालिका द्वारा अज्ञानतावश इसका रोपण किया गया है जिसे समूल नष्ट किये जाने की आवश्यकता है। सरकार को इस वृक्ष के बारे में औद्योगिक संयंत्रों एवं जनता को सचेत करना चाहिए। बलौदा बाजार अंचल के पर्यावरण हितचिंतको ने कहा है कि कोनो कार्पस चौबीसों घंटे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ता है इसलिए किसी भी प्रकार से पर्यावरण अनुकूल वृक्ष नहीं है। यदि यह वृक्ष इको फ्रेंडली होता तो इसे वन विभाग और उद्यानिकी विभाग वाले अपनी नर्सरियों में तैयार करते लेकिन दोनों शासकीय विभाग इसे हाथ तक नहीं लगाते हैं।

# सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे जिला स्तरीय राज्योत्सव के मुख्य अतिथि

**बलौदाबाजार।** रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल जिला बलौदाबाजार -भाटापारा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव के मुख्य अतिथि होंगे। इस सबंध में राज्य शासन द्वारा परिपत्र जारी कर दिया गया है। मुख्य अतिथि द्वारा राज्योत्सव का शुभारंभ करने के साथ ही योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री वितरण एवं उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जायेंगे। जिला स्तरीय राज्योत्सव 2 से 4 नवम्बर 2025 तक पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में आयोजित होगा। गरिमामय एवं भव्य आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। कलेक्टर दीपक सोनी ने सम्बंधित अधिकारियों को समय पर सभी तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

## जिला समन्वयक के संविदा पदों पर 10 नवंबर तक दावा आपत्ति आमंत्रित

**दुर्ग।** राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना में जिला समन्वयक (डीपीएम) आरजीएसए के रिक्त संविदा पदों पर भर्ती हेतु अर्हताधारी एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से 30 अगस्त 2025 को अपरान्ह 5.00 बजे तक मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय, जिला पंचायत दुर्ग के नाम से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये गये थे। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्धारित तिथि में प्राप्त आवेदनों का प्रारंभिक जांच उपरांत पात्र/अपात्र अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन दावा आपत्ति हेतु किया गया है।

## जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 से 4 नवंबर तक पुराना गंज मंडी परिसर में

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही दुर्ग जिला मुख्यालय में भी 02 से 04 नवंबर तक जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आमंत्रण पत्र छपाई एवं वितरण, मंच, स्टॉल, बेरिकेटिंग, सोफा-कुर्सी, माइक, लाइटिंग, सांस्कृतिक दलों एवं कलाकारों के चयन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यक्रम स्थल पर वाहन पार्किंग एवं निर्गम स्थल पर यातायात व्यवस्था, अतिथियों हेतु साल-श्रीफल एवं मोमेंटो की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर फर्स्ट एड किट एवं एम्बुलेंस व्यवस्था, अतिथियों एवं कलाकारों के सत्कार, पानी टैंकर एवं पेयजल की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर अबाध विद्युत/जनरेटर की व्यवस्था आदि की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विभाग के अंतर्गत 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम पर योजनाओं तथा उपलब्धियों की पोस्टर-बैनर अथवा लाईव प्रदर्शन व प्रदर्शनी स्टॉल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विभागीय स्टॉल 02 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक तैयार कर लिए जाएं। प्रदर्शनी में राज्य सरकार की योजना जिससे लोग लाभान्वित हो रहे हैं, प्रदर्शित किए जाएं। वहीं हितग्राही मूलक योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में यहां की संस्कृति की झलक हो। कार्यक्रम के दौरान परिसर स्थल की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रत्येक विभागीय स्टॉल में डस्टबिन रखना सुनिश्चित किया जाए। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की होगी प्रस्तुति-जिला स्तरीय राज्योत्सव के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति होगी। 02 नवंबर 2025 को सोनाली सेन द्वारा सरगम-ए-म्यूजिकल, आद्या पाण्डेय द्वारा कत्थक, कमलेश कुमार दिल्लीवार द्वारा भरतनाट्यम, स्कूली बच्चों का नृत्य कार्यक्रम, माघवी देवांगन द्वारा भरतनाट्यम, और लोकधारा की गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति होगी।

## आयुक्त ने निर्माणाधीन एसएलआरएम सेंटर का किया निरीक्षण

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई जोन 04 खुर्सीपार अंतर्गत पंडित दीनदयाल स्टेडियम, निर्माणाधीन एस.एल. आर.एम. सेंटर, सामुदायिक भवन, सुलभ शौचालय, सहित निगम स्वामिस्व के भूखण्डों का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे ने खुर्सीपार स्थित पंडित दीनदयाल स्टेडियम का निरीक्षण किये। स्टेडियम परिसर खेल ग्राउण्ड का निरीक्षण कर आवश्यक संधारण हेतु चर्चा किये। शौचालय का आवश्यक संधारण कराने निर्देशित किया गया है, जिससे दुकानों के संचालन में किसी भी प्रकार का दिक्कत न हो । स्टेडियम परिसर के सभी दुकानों हेतु पूर्व में रुचि की अभिव्यक्ति जारी की गई थी । महापौर परिषद से पारित संकल्प अनुसार दुकानों का पुनः रुचि की अभिव्यक्ति जारी की जाएगी। आयुक्त ने निर्माणाधीन एस.एल.आर.एम. सेंटर का अवलोकन करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किये हैं। समीपस्थ सुलभ शौचालय का निरीक्षण कर पानी एवं सफाई व्यवस्था बनाये रखने केयरटेकर को निर्देशित किया गया है। शिव मंदिर के समीप नवीन सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है, जिसका अवलोकन आयुक्त द्वारा किया गया।

# सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती में दिलाया गया नशा मुक्ति का संकल्प

**देवभोग।** सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गरियाबंद पुलिस द्वारा जिलेभर में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में देवभोग पुलिस द्वारा एकता दौड़ और नशा मुक्ति संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी आत्मानंद स्कूल देवभोग परिसर से हुई, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय युवा और स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश देते हुए लगभग दो किलोमीटर तक एकता दौड़ लगाई। इसके पश्चात सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी फैजुल हुदा शाह ने उपस्थित युवाओं को नशे से दूर रहने और समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने की प्रेरणा दी और संकल्प दिलवाया गया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं, और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से खुद को और दूसरों को बचाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे सभी ने मिलकर समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

# राज्योत्सव पर सरकार की उपलब्धि का प्रदर्शन

### शिक्षा मंत्री गजेन्द्र ने किया उद्घाटन

### 25 वॉ रजत जयंती समारोह

### 26 स्टालों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम

**लोकतंत्र प्रहरी। दुर्ग।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 साल पूरे होने पर जिला स्तरीय राज्योत्सव इस बार गंजमंडी प्रागण में किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन रविवार की शाम शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

आयोजित कार्यक्रम में जिले की उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई गई है।इसके अलावा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह के पूर्व मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रदर्शनी में लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया इस दौरान महापौर अलका बाघमार, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, भाजपा के पार्षद सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे.इसके अलावा कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे।

राज्योत्सव दुर्ग पुरानी गंज मंडी गंजपारा में आयोजित की गई है।इस अवसर पर लोकतंत्र प्रहरी के संवाददाता से चर्चा करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्य स्थापना के 25वें वर्ष पूरे होने पर छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि, सन् दो हजार में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से आज 25 सालों में छत्तीसगढ़ का विकास हुआ है।

आपको बता दें,तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में 26 स्टॉलों में जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, आयुष, सिंचाई, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशु चिकित्सा, आदिवासी विकास विभाग, जिला सहकारिता एवं केन्द्रीय बैंक, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, आदि शामिल हैं।

**होंगे ये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम** – 2 नवंबर - सोनाली सेन द्वारा सरगम-ए-म्यूजिकल, आद्या पाण्डेय द्वारा कत्थक, कमलेश कुमार दिल्लीवार द्वारा भरतनाट्यम, स्कूली बच्चों का नृत्य कार्यक्रम, माघवी देवांगन द्वारा भरतनाट्यम और लोकधारा की गायन व नृत्य।

3 नवंबर- स्वरॉजलि संगीत द्वारा हिन्दी बॉलीवुड म्युजिकल, विनय गायकवाड़ द्वारा ओड़िसी नृत्य, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, सृष्टि बिश्वास द्वारा कत्थक, प्रतिमा बारले द्वारा पंडवानी गायन, माटी की महिमा सांस्कृतिक दल द्वारा गायन व नृत्य और लोककला मंच द्वारा गायन एवं नृत्य।

4 नवंबर - लोक माया की गायन एवं नृत्य प्रस्तुति, स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, आद्या सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, रेणु साहू द्वारा पंडवानी गायन और ज्योति ध्रुव द्वारा म्युजिकल फाउंडेशन गायन व नृत्य का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com